UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

दैनिक
यंग भारत
निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर
Digital Edition

यंग भारत
वेब न्यूज
सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-218 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) मंगलवार 21 जुलाई 2026 youngbharatE-paper.com

बाराबंकी में सीएम योगी ने कहा- 'ब्रह्मोस मिसाइल की गूंज से पाकिस्तान और उसके आका की नींद उड़ी '

(यंग भारत न्यूज)

बाराबंकी: उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बाराबंकी में 542 करोड़ रुपये की 82 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया. इस मौके पर जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने विरोधियों पर सियासी तीर चलाए. मुख्यमंत्री ने मंच से कहा कि सनातन सुरक्षित है, तो हम सब सुरक्षित हैं. अगर सनातन पर कोई खतरा आएगा तो कोई भी बच नही पायेगा.

सपा और कांग्रेस पर बरसे मुख्यमंत्री: इस दौरान मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर राजनीतिक हमला बोला. उन्होंने जनता को याद दिलाते हुए कहा कि जब भी आप सब पर कोई संकट आता है, सपा और कांग्रेस वालों की बोलती बंद हो जाती है. उन्होंने पिछली सरकारों पर आरोप लगाया कि यही उदासीनता वजह रही कि आज तक क्षेत्र में विकास कार्य नही हुए. मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले जनता का पैसा सिर्फ कब्रिस्तान

की बाउंड्रीवॉल पर खर्च होता था. धर्मनिरपेक्षता के नाम पर अराजकता का अंत: सीएम योगी ने कहा कि कब्रिस्तान पर पैसा खर्च करना विपक्षी दलों के लिए धर्मनिरपेक्षता का मानक बन गया था. हमें ऐसी तुष्टिकरण वाली धर्मनिरपेक्षता को उखाड़ फेंककर सनातन की सुदृढ़ भूमि पर एक सुरक्षित भारत का निर्माण करना पड़ेगा. जो लोग धर्मनिरपेक्षता के नाम पर सनातन को अपमानित करते थे, असल में वे समाज में अराजकता फैलाते थे. ये वही लोग थे जो सत्ता के संरक्षण में अपने गुर्गों से व्यापारियों से अवैध वसूली करवाते थे. कट्टा छोड़ अब बन रही ब्रह्मोस मिसाइल: उन्होंने कानून व्यवस्था पर बोलते हुए कहा कि इन्हीं लोगों ने गांव-गांव और शहर-शहर अवैध कट्टा बनवाना शुरू करा दिया था. उन्ही अवैध कट्टों और बमों के दम पर कभी व्यापारी लूटा जाता था, तो कभी किसी बेटी की इज्जत के साथ खिलवाड़ होता था. लेकिन आज यूपी की तस्वीर बदल चुकी है और अब यहाँ कट्टा-बम नही बल्कि लखनऊ में डिफेंस कॉरिडोर के तहत 'ब्रम्होस मिसाइल' बन रही है. इस मिसाइल की मारक क्षमता और आधुनिक तकनीक आज के नए भारत की असली ताकत को दर्शाती है. पाकिस्तान और उसके आकाओं में खौफ: मुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल की आवाज सुनकर पाकिस्तान और उसके आका बाप-बाप चिल्लाते हैं. एक बार जब यह मिसाइल चलती है, तब सीमा पार बैठे आतंकियों से लेकर उनके आकाओं तक सबकी नींद उड़ जाती है. यह रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होते आज के सशक्त और सुरक्षित भारत की महाशक्तिशाली ताकत है. इस जनसभा से पहले मुख्यमंत्री योगी ने प्रसिद्ध लोधेश्वर महादेव मंदिर में विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया और विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन भी किया.

सपा का बड़ा दांव: विधायकों को टिकट मिलेगा या नहीं फ्रंटल संगठनों के 'रिपोर्ट कार्ड' से होगा फैसला

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। 2027 विधानसभा चुनावों से पहले समाजवादी पार्टी ने अपने संगठनात्मक ढांचे को सक्रिय करते हुए एक नई रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। पार्टी अब अपने फ्रंटल संगठनों- युवा, छात्र, महिला और अन्य सहयोगी इकाइयों के माध्यम से विधायकों का 'रिपोर्ट कार्ड' तैयार करवा रही है। मौजूदा विधायकों को टिकट मिलेगा या नहीं, इसमें फ्रंटल संगठनों और जिला इकाइयों द्वारा दी गई रिपोर्ट की अहम भूमिका होगी। इस कवायद को संगठनात्मक मजबूती के साथ-साथ चुनावी तैयारी का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

सीधे पार्टी नेतृत्व को दी जाएगी रिपोर्ट

सूत्रों के अनुसार, सपा नेतृत्व ने फ्रंटल संगठनों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में विधायकों की कार्यप्रणाली, जनसंपर्क, स्थानीय मुद्दों पर सक्रियता और जनता में उनकी स्वीकार्यता का आकलन करें। यह रिपोर्ट सीधे शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचाई जाएगी, जिसके आधार पर आगे की रणनीति तय होगी। खास तौर पर ऐसे विधायक जिनके क्षेत्र में एंटी-इनकंबेंसी की आशंका है या जिनकी कार्यशैली को लेकर संगठन में असंतोष

की शिकायतें हैं, उन्हें इस रिपोर्टिंग प्रक्रिया के जरिए चिन्हित किया जा रहा है। फ्रंटल संगठनों से रिपोर्ट कार्ड तैयार करवाने के पीछे पार्टी का उद्देश्य केवल मूल्यांकन तक सीमित नहीं है। इसके जरिए संगठन यह भी परखना चाहता है कि कौन-सा नेता जमीनी स्तर पर कितना मजबूत है और किस सीट पर बदलाव की जरूरत है। इससे पार्टी टिकट वितरण में जोखिम कम करना चाहती है और जीतने वाले उम्मीदवारों पर दांव लगाना चाहती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि फ्रंटल संगठनों को इस प्रक्रिया में शामिल करने से पार्टी कार्यकर्ताओं की सक्रियता भी बढ़ाना चाहती है। इससे कार्यकर्ताओं को लगेगा कि उनकी राय को महत्व दिया जा रहा है, जो चुनाव के समय संगठनात्मक ऊर्जा में तब्दील हो सकती है। साथ ही इस पहल से पार्टी के अंदर जवाबदेही बढ़ने की संभावना है। विधायक अब अपने क्षेत्रों में ज्यादा सक्रिय हो सकते हैं, क्योंकि उनकी कार्यप्रणाली का मूल्यांकन केवल नेतृत्व नहीं बल्कि संगठन के विभिन्न स्तरों से किया जा रहा है। इस कदम से पार्टी अपने कार्यकर्ताओं और फ्रंटल संगठनों को यह भी संदेश देना चाहती है कि चुनावी राजनीति में अब केवल बड़े नेताओं के फैसले नहीं, बल्कि डेटा और जमीनी फीडबैक भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। जानकार फ्रंटल संगठनों के जरिए रिपोर्ट कार्ड तैयार करवाने की रणनीति को समाजवादी पार्टी की एक सोची-समझी चुनावी पहल के रूप में देख रहे हैं। जिसका सीधा असर टिकट वितरण, संगठनात्मक मजबूती और चुनावी प्रदर्शन पर पड़ सकता है।

खूबसूरत युवती को देखकर मचल गया 3 युवकों का दिल, 15 मिनट में कर दी लड़की की जिंदगी खराब, कई घंटों बाद आया होश

(यंग भारत न्यूज)

छत्तीसगढ़ के बालोद जिले से एक ऐसी घटना सामने आई है, जो आपको शर्मसार कर देगी. दरअसल, जिले में रहने वाली एक महिला का 3 लोगों ने अपहरण कर लिया. आरोप है कि 3 युवकों ने महिला को अगवा करके उसके साथ दुष्कर्म किया.

पीड़िता बालोद-दल्ली राजहरा मुख्य मार्ग स्थित पर्यावरण पार्क के पास बेसुध अवस्था में मिली. जानकारी के मुताबिक वारदात होने के बाद डायल 112 की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया. आरोप है कि 3 अज्ञात ट्रक ड्राइवरों ने इस घटना को अंजाम दिया है. मामला इतना संगीन था कि आसपास के इलाकों में इसे सुनकर हड़कंप मच गया है. हालांकि, यह मामला अब पुलिस के संज्ञान में पहुंच चुका है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक महिला के बयान के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपहण और सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज कर लिया है. माना जा रहा है कि यह पूरा मामला पर्यावरण पार्क के पास हुआ है. पुलिस ने महिला से पूछताछ की हैस, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है. पुलिस द्वारा मामले की छानबीन की जा रही है. पुलिस का कहना है कि इस घटना के आरोपियों को जल्दी हर गिरफ्तार किया जा सकता है.

पुलिस हेडक्वार्टर में मृत मिले त्रिपुरा के डीजीपी अनुराग धनखड़

एक साल पहले संभाला था पद, मचा हड़कंप

(यंग भारत न्यूज)

अगरतला: त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक अनुराग धनखड़ का शव अगरतला पुलिस हेडक्वार्टर में मिलने से हड़कंप मच गया। उनके शव को अगरतला के जीबी अस्पताल ले जाया गया। मौत के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उनकी मौत के मामले में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। सूत्रों के मुताबिक, अनुराग धनकर अपने कार्यालय कक्ष में फंदे से लटके हुए मिले। घटना की

जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें तत्काल अगरतला के गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने आगे की औपचारिक प्रक्रिया शुरू की। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए और कार्यालय परिसर को सुरक्षा घेरे में लेकर जांच शुरू कर दी गई। फिलहाल इस मामले में अभी तक कोई भी अन्य जानकारी पुलिस की तरफ से नहीं साझा की गई है। इस दुखद घटना की खबर फैलते ही हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए त्रिपुरा के मुख्यमंत्री प्रो. (डॉ) माणिक साहा तुरंत पुलिस मुख्यालय पहुंचे। मुख्य सचिव जे.के. सिन्हा सहित गृह विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी और भारी संख्या में पुलिस बल जीबी अस्पताल पहुंचे। पुलिस मुख्यालय के भीतर वरिष्ठ अधिकारियों ने स्थिति को संभाला और घटना के तुरंत बाद जरूरी साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

तिहाड़ में चार्ल्स शोभराज से मिला 'ठगी का गुर'

फिर 300 लग्जरी होटलों को लगाता रहा चूना, 30 साल बाद गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

नई दिल्ली: देशभर के 300 से ज्यादा लग्जरी और फाइव स्टार होटलों को पिछले तीन दशक से चूना लगाने वाले 69 वर्षीय ठग को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। तमिलनाडु निवासी बिंग्सन जॉन पर आरोप है कि वह फर्जी पहचान के जरिए होटल में ठहरता, कई दिनों तक सभी सुविधाओं का इस्तेमाल करता और फिर बिना बिल चुकाए फरार हो जाता था। कई मामलों में वह होटल का कीमती सामान भी अपने साथ ले जाता था। वह कुख्यात सीरियल किलर और ठग चार्ल्स शोभराज के तौर-तरीकों से प्रभावित रहा।

पुलिस के मुताबिक, बिंग्सन जॉन का ताजा निशाना रायपुर का हयात होटल था। उसने वहां दो दिन तक ठहरकर होटल की सुविधाओं का आनंद लिया। इसके बाद वह 63,755 रुपये का बिल चुकाए बिना होटल से निकल गया। इतना ही नहीं, वह होटल का करीब 1.48 लाख रुपये कीमत का लैपटॉप भी अपने साथ ले गया। होटल प्रबंधन की शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

72 घंटे में दबोचा गया आरोपी

मामले की जांच रायपुर पुलिस की एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और तेलीबांधा थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से की। पुलिस ने मोबाइल फोन रिकॉर्ड, दस्तावेजों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया। जांच के दौरान आरोपी की लोकेशन ओडिशा के भुवनेश्वर में मिली, जहां पुलिस टीम ने महज 72 घंटे के भीतर उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से चोरी किया गया लैपटॉप भी बरामद कर लिया गया।

पूछताछ में कबूला 300 से ज्यादा होटलों को ठगने का दावा

पूछताछ के दौरान बिंग्सन जॉन ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि वह 1990 से इसी तरीके से देशभर के 300 से अधिक लग्जरी होटलों को ठग चुका है। पुलिस के अनुसार, वह कभी विदेशी टूरिस्ट गाइड, कभी अंग्रेजी शिक्षक तो कभी योग प्रशिक्षक बनकर होटल में चेक-इन करता था। अपने व्यवहार से वह होटल स्टाफ का भरोसा जीत लेता था, जिससे उससे एडवांस राशि भी नहीं मांगी जाती थी

2022 में भी हुआ था गिरफ्तार

यह पहली बार नहीं है जब बिंग्सन जॉन कानून के शिकंजे में आया हो। वर्ष 2022 में केरल क तिरुवनंतपुरम स्थित एक फाइव स्टार होटल ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वह होटल में ठहरा, बिना बिल चुकाए फरार हो गया और होटल का लैपटॉप भी चोरी कर ले गया। बाद में उसे कोल्लम रेलवे स्टेशन के पास गिरफ्तार किया गया था। उस मामले में अदालत ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा था।

एक बेइज्जती के बाद बदल गई जिंदगी

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अंग्रेजी माध्यम के स्कूल में पढ़ाई की थी और उसने कभी शादी नहीं की। 1980 के दशक में वह दिल्ली में टूरिस्ट गाइड के रूप में काम करता था। उस दौरान पर्यटकों के साथ आने पर कई होटल उसे मुफ्त में ठहरने की सुविधा देते थे। आरोपी का दावा है कि एक दिन किसी लग्जरी होटल में उसके साथ कथित तौर पर अपमानजनक व्यवहार हुआ, जिसके बाद उसने महंगे होटलों को ही अपना निशाना बनाने का फैसला कर लिया।

तिहाड़ जेल में चार्ल्स शोभराज से मिला 'आइडिया'

पुलिस के अनुसार, बिंग्सन जॉन को पहली बार 1996 में गिरफ्तार किया गया था और वह तिहाड़ जेल भी जा चुका है। बाद में उसने केरल, तमिलनाडु, गोवा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक समेत कई राज्यों की जेलों में करीब 15 साल बिताए। पूछताछ में उसने बताया कि तिहाड़ जेल में रहते हुए वह कुख्यात सीरियल किलर और ठग चार्ल्स शोभराज के तौर-तरीकों से प्रभावित हुआ। इसके बाद उसने फर्जी पहचान और धोखे की उसी शैली को अपनाकर होटलों को निशाना बनाना शुरू कर दिया।

आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही पुलिस

रायपुर पुलिस अब आरोपी के खिलाफ अलग-अलग राज्यों में दर्ज मामलों की जानकारी जुटा रही है और उसके पूरे आपराधिक रिकॉर्ड का सत्यापन कर रही है। पुलिस का कहना है कि हर बार जेल से छूटने के बाद वह किसी नए शहर में पहुंचता, फर्जी पहचान के साथ फाइव स्टार होटल में ठहरता, कुछ दिन आराम से रहता और फिर बिना बिल चुकाए फरार हो जाता था। आरोपी को अदालत में पेश कर दिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

जनता की आवाज' संगठन के बैनर तले राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौपा

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और शिक्षा के निजीकरण के खिलाफ चल रहे सोनम वांगचुक के नेतृत्व में आंदोलन को अब नगरवासियों का भी समर्थन मिल गया है। 'जनता की आवाज' संगठन के बैनर तले नगरवासियों ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार सतेंद्र गुप्ता को सौंपकर आंदोलन की मांगों को अपना समर्थन दिया।

सोमवार को 'जनता की आवाज' संगठन के बैनर तले नगर के डॉ. रामकिशोर गुप्ता, दुर्गा प्रसाद, दयाराम वर्मा, रमेश शर्मा, सुरेंद्र कुमार, मोहम्मद शाकिर रहमानी, अनीस कुरैशी आदि ने राष्ट्रपति को संबोधित तीन सूत्रीय ज्ञापन नायब तहसीलदार सतेंद्र गुप्ता को सौंपकर बताया कि नगर की आम जनता जंतर-मंतर पर सोनम वांगचुक के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन की मांगों के साथ खड़ी है। देशभर में लगातार हो रहे पेपर लीक, परीक्षा प्रणाली में निजी कंपनियों की दखल और शिक्षा के निजीकरण से छात्रों का भविष्य अंधकारमय हो रहा है। लगातार हो रहे पेपर लीक से मेहनती छात्रों की मेहनत बेकार जा रही है और युवाओं का सरकार की परीक्षा प्रणाली से भरोसा उठ रहा है। शिक्षा को व्यापार बनाने की नीति से वंचित वर्ग शिक्षा से दूर हो रहा है। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपने पद से इस्तीफा दें, क्योंकि उनके कार्यकाल में पेपर लीक की घटनाएं लगातार बढ़ी हैं। परीक्षाओं में पेपर लीक की समस्या को पूरी तरह समाप्त किया जाए और निजी कंपनियों को परीक्षा संचालन का ठेका देने की प्रणाली को बंद किया जाए और शिक्षा के निजीकरण पर रोक लगाई जाए। ताकि गरीब और मध्यम वर्ग के छात्रों को भी सस्ती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सके।

थाना रामपुरा का एसपी ने किया आकस्मिक निरीक्षण, अभिलेखों की जांच कर दिए आवश्यक निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई। पुलिस अधीक्षक जालौन ने सोमवार को थाना रामपुरा का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना कार्यालय के अभिलेखों, एचएस इंडेक्स, मिशन शक्ति केंद्र, महिला हेल्प डेस्क तथा साइबर हेल्प डेस्क के अभिलेखों का गहन अवलोकन कर उनके रखरखाव की समीक्षा की।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने लंबित विवेचनाओं का समयबद्ध निस्तारण करने, वांछित अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने तथा अभिलेखों को अद्यतन रखने के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के उपरांत पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्राधिकारी माधौगढ़ एवं पुलिस बल के साथ थाना रामपुरा के अंतर्राज्यीय बॉर्डर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए पुलिस कर्मियों को सतर्कता के साथ ड्यूटी करने, संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों पर कड़ी नजर रखने तथा सीमा क्षेत्र में प्रभावी चेकिंग अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल को पूरी मुस्तैदी एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने पर बल दिया।

जिले में झमाझम बारिश से मौसम हुआ सुहाना, किसानों के चेहरे खिले

(यंग भारत न्यूज)

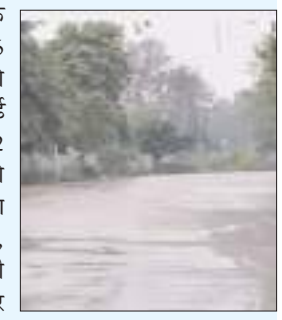

उरई। जिले में मानसून एक बार फिर सक्रिय होने से रविवार दोपहर से सोमवार दोपहर तक रुक-रुककर अच्छी बारिश हुई। बारिश के चलते मौसम सुहावना हो गया और तापमान में लगभग 6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। इससे कई दिनों से गर्मी और उमस से परेशान लोगों को बड़ी राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार बीते 24 घंटों में जिले में 25.2 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। यह जुलाई माह की तीसरी महत्वपूर्ण बारिश रही। इससे पहले 1 जुलाई को 28.2 मिलीमीटर तथा 8 जुलाई को 26.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई थी। बताया गया हैं कि आगामी दो दिनों तक जिले में मौसम का यही मिजाज बना रह सकता है। बीच-बीच में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है, जिससे तापमान सामान्य बना रहेगा। बारिश से खेतों में पर्याप्त नमी पहुंची है, जिससे धान, तिल सहित अन्य खरीफ फसलों की बुवाई और बढ़वार को लाभ मिलेगा। साथ ही तालाबों, नदियों एवं अन्य जल स्रोतों के जलस्तर में भी वृद्धि होने की उम्मीद है। बारिश के बाद शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में मौसम खुशनुमा हो गया। लोगों ने गर्मी से राहत महसूस की, जबकि किसानों ने समय पर हुई बारिश को खेती के लिए शुभ संकेत बताया। मौसम विभाग ने लोगों से बारिश के दौरान आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की है।

दोष सिद्ध होने पर दो अभियुक्तों को पांच-पांच वर्ष का कारावास

(यंग भारत न्यूज)

उरई। पुलिस अधीक्षक जालौन के निर्देशन में मॉनिटरिंग सेल एवं कोतवाली कोंच पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते 'ऑपरेशन कन्विक्शन' के अंतर्गत न्यायालय से दो अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए पांच-पांच वर्ष के कठोर कारावास एवं प्रत्येक पर 7,000 के अर्थदंड की सजा सुनाई गई। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2007 में कोतवाली कोंच में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 387/452/323/506/427 आईपीसी से संबंधित मामले में अभियुक्त पप्पू पुत्र बरातू कुशवाहा तथा सुनील पुत्र बैजनाथ, निवासीगण मोहल्ला तिलक नगर, कस्बा एवं थाना कोंच के विरुद्ध न्यायालय में प्रभावी पैरवी की गई। साक्ष्यों एवं गवाहों के आधार पर न्यायालय ने दोनों अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए पांच-पांच वर्ष के कठोर कारावास तथा 7,000-7,000 के अर्थदंड से दंडित किया। जालौन पुलिस ने बताया कि अपराधियों को सजा दिलाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'ऑपरेशन कन्विक्शन' अभियान के तहत मॉनिटरिंग सेल एवं संबंधित थाना पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी पैरवी की जा रही है, जिससे गंभीर मामलों में दोषियों को समयबद्ध सजा दिलाई जा सके।

पास्को एक्ट के मामले में दोष सिद्ध होने पर अभियुक्त को तीन वर्ष की मिली सजा

(यंग भारत न्यूज)

उरई । पुलिस अधीक्षक जालौन के निर्देशन में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन कन्विक्शन' अभियान के अंतर्गत मॉनिटरिंग सेल एवं थाना रेंढ़ पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते न्यायालय ने मारपीट के एक मामले में अभियुक्त को दोषी करार देते हुए तीन वर्ष के कारावास एवं 2,000 के अर्थदंड की सजा सुनाई है। पुलिस के अनुसार, थाना रेंढ़ में वर्ष 2019 में भारतीय दंड संहिता की धारा 363/366 तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 7/8 के तहत दर्ज मुकदमे में अभियुक्त श्याम बाबू पुत्र स्व. किशोरी, निवासी उगांव कोंचा, जनपद जालौन के विरुद्ध प्रभावी साक्ष्य एवं सशक्त पैरवी प्रस्तुत की गई। इसके परिणामस्वरूप पॉक्सो कोर्ट, उरई ने अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए तीन वर्ष के कठोर कारावास तथा 2,000 के अर्थदंड से दंडित किया। जालौन पुलिस ने बताया कि अपराधियों को सजा दिलाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा

रास्ते में रोककर युवक से मारपीट कर काटकर घायल करने पर मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। तहसील कालपी क्षेत्र के ग्राम मुसमरिया में रात के समय घर लौट रहे एक युवक को रास्ते में रोककर गाली-गलौज, मारपीट और काटकर घायल करने के मामला पीड़ित की शिकायत पर थाना चुरखी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर बिबेचना शुरू कर दी है। उक्त मामले को लेकर ग्राम मुसमरिया निवासी वादी श्रीकांत सिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह ने थाना चुर्खी में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 18 जुलाई की रात करीब 10 बजे वह अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान गांव में राकेश के घर के सामने आरोपी रामू पुत्र महेश निवासी मोहल्ला दोआना ग्राम मुसमरिया ने उसे रोक लिया और मां-बहन की गालियां देने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ मारपीट की तथा मुंह से काट लिया, जिससे उसके दाहिने अंगूठे, होंठ तथा शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं। शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और बीच-बचाव कर उसे बचाया। आरोप है कि जाते समय आरोपी जान से मारने की धमकी देता हुआ मौके से फरार हो गया। थाना चुर्खी पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपी के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है।

पांच परिवारों का आपसी समझौता कराकर टूटने से बचाया

(यंग भारत न्यूज)

उरई। पुलिस के महिला परिवार परामर्श केंद्र ने सराहनीय पहल करते हुए पारिवारिक विवादों से जूझ रहे पांच परिवारों का आपसी समझौता कराकर उनके रिश्तों को टूटने से बचाया। काउंसलिंग के बाद सभी दंपतियों ने आपसी मतभेद भुलाकर साथ रहने पर सहमति जताई।

महिला परिवार परामर्श केंद्र में वैवाहिक मतभेद के कारण लंबित मामलों की नियमित सुनवाई की गई। इस दौरान दोनों पक्षों की बात गंभीरता से सुनने के बाद काउंसलिंग कराई गई। टीम ने दंपतियों को आपसी विश्वास बनाए रखने, विवादों से बचने तथा पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए सौहार्दपूर्ण वातावरण में जीवन व्यतीत करने की सलाह दी। काउंसलिंग के सकारात्मक परिणाम सामने आने पर पांचों परिवारों में आपसी सहमति बनी और दंपतियों को एक-दूसरे के साथ विदा किया गया। जालौन पुलिस ने कहा कि परिवार परामर्श केंद्र का उद्देश्य संवाद और समझ के माध्यम से पारिवारिक रिश्तों को मजबूत बनाना तथा वैवाहिक विवादों का शांतिपूर्ण समाधान कराना है।

खड़ी बाइक में टेंपो ने मारी टक्कर, रोकने पर चालक ने दी जान से मारने की धमकी

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। स्थानीय नगर के दुर्गा मंदिर चौराहे के पास सड़क किनारे खड़ी मोटरसाइकिल में तेज रफ्तार टेंपो की टक्कर मारने और रोकने का प्रयास करने पर चालक द्वारा जान से मारने की धमकी देने पर पीड़ित की शिकायत पर कोतवाली कालपी में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

वादी कुलदीप सिंह पुत्र रमेश सिंह ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हकि वह अपने बड़े पापा को कानपुर जाने वाली बस में बैठाने के लिए दुर्गा मंदिर चौराहे के पास स्थित एक होटल के सामने आया था। बस का इंतजार करते समय उसने अपनी मोटरसाइकिल सड़क किनारे खड़ी कर दी थीं।इसी दौरान कालपी से भोगनीपुर की ओर जा रहा एक टेंपो चालक तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मारकर भागने लगा। जब उसके बड़े पापा ने टेंपो को रोकने का प्रयास किया तो चालक ने वाहन और तेज कर दिया, जिससे वह बाल-बाल बच गए। चालक ने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी दी और दोबारा टेंपो लेकर फरार हो गया। मोटरसाइकिल गिरने से कुलदीप सिंह उसके नीचे दब गए और घिसटने से उनके दोनों पैरों में अंदरूनी चोटें आईं। कोतवाली कालपी पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी टेंपो चालक के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की बिबेचना शुरू कर दी है।

हाईवे अंडरपास की स्लैब का प्लास्टर दूसरी बार गिरा, बड़ा हादसा टला

सड़क धंसी, बैरिकेडिंग कर कराया जा रहा आवागमन; लोगों में दहशत

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। स्थानीय नगर के फोरलेन हाईवे स्थित ओवरब्रिज के फुलपावर अंडरपास की स्लैब का प्लास्टर एक बार फिर भरभराकर नीचे गिर गया। लगातार दूसरी बार हुई इस घटना से राहगीरों में दहशत का माहौल है। हालांकि घटना के समय वहां कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

विदित हो कि करीब पांच वर्ष पूर्व निर्मित 800 मीटर लंबे फोरलेन ओवरब्रिज में तीन अंडरपास बनाए गए थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि ओवरब्रिज पर जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से बारिश का पानी स्लैब में रिसता रहता है, जिससे उसकी मजबूती प्रभावित हो रही है। मालूम हो कि पिछले सप्ताह सुबह करीब चार बजे भी इसी अंडरपास की स्लैब का प्लास्टर अचानक गिर गया था। अभी उस हिस्से की समस्या पूरी तरह दूर भी नहीं हो पाई थी कि बीती रात फिर स्लैब का प्लास्टर नीचे आ गिरा। इससे अंडरपास की सड़क क्षतिग्रस्त हो गई और यातायात प्रभावित हो गया। घटना के बाद कार्यदायी संस्था ने क्षतिग्रस्त हिस्से पर बैरिकेडिंग कर आवागमन जारी रखा। इसके बावजूद अंडरपास से गुजरने वाले लोगों में भय बना हुआ है और वे इसकी स्थायी मरम्मत की मांग कर रहे हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की कार्यदायी संस्था के मैनेजर उत्तम सिंह ने बताया कि क्षतिग्रस्त हिस्से की जल्द मरम्मत कर अंडरपास को पूरी तरह सुरक्षित बनाया जाएगा, ताकि यातायात सामान्य रूप से संचालित हो सके।

बीएड की पहले दिन की परीक्षा में 27 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। सोमवार से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कालपी कॉलेज कालपी की प्रधानाचार्य मधु प्रभा त्रिपाठी की देखरेख बीएड प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की परीक्षा प्रारंभ हो गई है। पहले दिन इस परीक्षा में 27 परीक्षार्थी शामिल हुए। उल्लेखनीय हो कि कालपी कालेज कालपी परीक्षा केंद्र चार विद्यालयों के परीक्षार्थी सम्मिलित हुये हैं। जिसमें लक्ष्मी देवी महाविद्यालय मदारीपुर, पंडित गंगाधर पांडे श्रवण कुमार महाविद्यालय, परशुराम द्विवेदी महाविद्यालय जगम्मनपुर, स्वर्गीय गफूर खान महाविद्यालय बबीना महाविद्यालयों के विद्यार्थी सम्मिलित हुए। प्राचार्य ने बताया कि सुबह 9 बजे से 12 बजे तक परीक्षा आयोजित की गयी। 301 परीक्षार्थियों में से 27 परीक्षार्थी शामिल नहीं हुए। 274 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि परीक्षाओं को नकल विहीन एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। परीक्षा कक्षाओं की सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जा रही है। डॉ राधा रानी श्रीवास्तव, सोम चौहान, डॉक्टर कुमार, डॉक्टर शैलेंद्र शेखर, वशिष्ट पंकज द्विवेदी, डॉक्टर अरुण बाजपेई, डॉक्टर भारती, रवि मिश्रा निगम आदि परीक्षा ड्यूटी में मुस्तैदी से जुटे रहे।

करंटयुक्त तार से खेत की घेराबंदी से गाय की मौत, आरोपी पर मुकदमा दर्ज़

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गुलौली में खेत की घेराबंदी के लिए लगाए गए करंटयुक्त लोहे के तारों की चपेट में आने से एक गाय की मौत हो गई। पीड़ित पशुपालक की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर बिबेचना शुरू कर दी है। उक्त ग्राम गनिवासी वादी नफीस बेग पुत्र नसीर बेग ने कोतवाली कालपी में मुकदमा दर्ज कराते हुए अवगत कि 18 जुलाई को उन्होंने अपनी चार वर्षीय गाय को चरने के लिए छोड़ा था। गांव के आरोपी शेख मोहम्मद ने अपने खेत के चारों ओर लोहे के तार लगाकर उनकी सुरक्षा के लिए बिजली लाइन से अवैध रूप से कटिया डालकर उनमें करंट प्रवाहित कर रखा था। वादी के अनुसार चरते समय उसकी गाय करंटयुक्त तारों की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर गाय का पोस्टमार्टम कराया गया। कोतवाली पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

दीवार फांदकर अंदर घुसे चोरों ने सोने, चांदी के जेवरात पर किया हाथ साफ

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । परिवार के सदस्य छठी के प्रोग्राम में गए थे और गृहस्वामी घर के बाहर सो रहा था। रात में पीछे की दीवार फांदकर अंदर घुसे चोरों ने सोने, चांदी के जेवर चोरी कर लिए। पीड़ित गृहस्वामी ने चोरी की सूचना कोतवाली में दी। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम हरकौती निवासी कृपाल ने पुलिस को बताया कि रविवार की रात गोहन थाना क्षेत्र के ग्राम गोरा भूपका में उनके रिश्तेदार के यहां छठी का प्रोग्राम था। परिवार के सभी सदस्य छठी के प्रोग्राम में शामिल होने के लिए गए थे। घर पर वह अकेला था। रात में गर्मी अधिक होने के चलते वह घर के बाहर चारपाई पर सो गया। रात में किसी समय अज्ञात चोर पीछे की दीवार फांदकर घर में घुस आए। चोरों ने कमरे और अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे कान के कुंडल, मंगलसूत्र, चांदी की झालर और चांदी की पायल चोरी कर ली। सुबह जागने पर कमरे और बक्से का ताला टूटा देखकर चोरी की जानकारी हुई। पीड़ित गृहस्वामी की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

21 क्वार्टर देशी शराब सहित गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान अवैध देशी शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 21 क्वार्टर देशी शराब बरामद हुई है।

चौकी में तैनात एसआई शिवम सिंह सेंगर देवनगर चौराहे पर चेकिंग कर रहे थे। तभी मुखबिर से सूचना मिली कि छठी माता मंदिर के पास एक व्यक्ति अवैध शराब लेकर बेचने जा रहा है। पुलिस ने मौके पर घेराबंदी कर मोहल्ला रापटगंज निवासी दीपक को रोककर जब उसकी तलाशी ली तो तलाशी में उसके प्लास्टिक के थैले से 21 अदद देशी शराब के क्वार्टर बरामद किए। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह बिना लाइसेंस के सस्ते दामों में शराब खरीदकर महंगे दामों में बेचता है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

नामहीन चौराहे का नाम लोकतंत्र सेनानी स्व. डॉ. राधेश्याम योगी के नाम पर रखने की मांग

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। नगर के प्रमुख लेकिन नामहीन चौराहे का नाम लोकतंत्र सेनानी स्व. डॉ. राधेश्याम योगी के नाम पर रखने व वाटर कूलर लगाने की मांग को लेकर नगर के लोगों ने एसडीएम को संबोधित ज्ञापन प्रभारी तहसीलदार को सौंपा है।

प्राथमिक विद्यालय हरीपुरा के स्थित चौराहा नगर का महत्वपूर्ण चौराहा है। इसी चौराहे से सारंगपुर ग्राम होकर औरैया हाईवे, गूढ़ा उरगांव का संपर्क मार्ग जाता है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में विद्यार्थी, ग्रामीण और राहगीर इस मार्ग से आते-जाते हैं, लेकिन चौराहे का कोई आधिकारिक नाम नहीं है। नगर निवासी विकास, सचिन, इकराम, रामू, मनीष, पवन आदि ने सोमवार को एसडीएम को संबोधित ज्ञापन प्रभारी तहसील तारा शुक्ला को सौंपकर मांग की है कि नगर के प्रसिद्ध लोकतंत्र सेनानी, कवि, लेखक और राष्ट्रसेवा को सर्वोपरि मानने वाले स्व. डॉ. राधेश्याम योगी के सम्मान में इस चौराहे का नामकरण 'योगीजी चौराहा' किया जाए। साथ ही चौराहे पर स्व. डॉ. योगी की प्रतिमा स्थापित करने की अनुमति भी दी जाए। नागरिकों ने कहा कि प्रतिमा स्थापना का समस्त व्यय वह स्वयं वहन करेंगे, प्रशासन से केवल वैधानिक अनुमति चाहिए। इसके साथ ही इस चौराहे के पास एक वाटर कूलर स्थापित कराने की भी मांग की गई, ताकि विद्यार्थियों और राहगीरों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके।

उपद्रव कर रहे दो लोगों पर खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। शराब के नशे में आपस में मारपीट कर रहे दो लोगों को समझाने के बाद भी न मानने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खनुआं निवासी राधे गोविंद एवं रविंद्र कुमार ने सोमवार की सुबह पहले तो साथ बैठकर शराब पी। इसके दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। गाली, गलौज से शुरू हुआ विवाद हाथापाई तक पहुंच गया। वहां मौजूद लोगों ने दोनों को समझाने का प्रयास किया। न मानने पर उन्होंने इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों को कोतवाली ले आई जहां उनके खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की गई।

नारायण मार्बल हाउस में श्रद्धा-भक्ति के साथ हुई भगवान जगन्नाथ की महाआरती

जय जगन्नाथ के जयघोष से गूंजा परिसर, महाप्रसाद वितरण में उमड़े श्रद्धालु

(यंग भारत न्यूज)

उरई, जालौन। शहर के नारायण मार्बल हाउस में रविवार देर शाम भगवान श्री जगन्नाथ, श्री बलदेव एवं माता सुभद्रा की पावन महाआरती श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुई। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और परिवार तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की।

महाआरती के दौरान पूरा परिसर 'जय जगन्नाथ' और 'हरे कृष्ण' के जयघोष से भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्ज्वलित कर भगवान का पूजन किया तथा भजन-कीर्तन में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। आरती के उपरांत सभी भक्तों को महाप्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ की कृपा से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का संचार होता है। उन्होंने धर्म, सेवा और मानवता के मार्ग पर चलने का संदेश देते हुए समाज में सद्भाव बनाए रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं में आगामी श्री जगन्नाथ रथयात्रा को लेकर भी विशेष उत्साह दिखाई दिया। इस मौके पर सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, महेंद्र अग्रवाल, सोनू अग्रवाल, शिवम अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

न्यू लोक कल्याण समिति ने मेधावी व निर्धन छात्रों को बांटी निशुल्क पुस्तकें

-कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों को मिले पाठ्य पुस्तक सेट

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन। सोमवार को न्यू लोक कल्याण समिति, कालपी के तत्वावधान में एमएसवी इंटर कॉलेज में निर्धन एवं प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं के लिए निशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

विधालय के परिसर में संस्था के अध्यक्ष सुरेश चंद्र वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों को निशुल्क पाठ्य पुस्तकों के सेट वितरित किए गए। पुस्तकें प्राप्त कर छात्र-छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। समारोह को संबोधित करते हुए एमएसवी इंटर कॉलेज के प्रबंधक एवं समाजसेवी डॉ. नरेश मैहर ने कहा कि शिक्षा से बड़ा कोई धन नहीं है। आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को समय पर पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराना एक पुनीत कार्य है, जिससे उनकी पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी रह सके। क्षेत्रीय विधायक विनोद चतुर्वेदी के प्रतिनिधि आशीष चतुर्वेदी ने कहा कि समाज के सक्षम लोगों को जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा में सहयोग करना चाहिए, जिससे कोई भी छात्र आर्थिक अभाव के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। संस्था के अध्यक्ष सुरेश चंद्र वर्मा ने संस्था की सामाजिक एवं शैक्षिक गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि न्यू लोक कल्याण समिति पिछले कई वर्षों से जरूरतमंद विद्यार्थियों की सहायता के लिए लगातार कार्य कर रही है और आगे भी यह अभियान जारी रहेगा। कार्यक्रम में एमएसवी इंटर कॉलेज, ठक्कर बापा इंटर कॉलेज, आर्य कन्या पाठशाला इंटर कालेज सहित अन्य विद्यालयों के कक्षा 6 से 12 तक के छात्र-छात्राओं को निशुल्क पाठ्य पुस्तक सेट वितरित किए गए। समारोह का संचालन समाजसेवी जय खत्री ने किया, जबकि संस्था के महामंत्री आसिफ कुरैशी एडवोकेट ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक डॉ. अरुण मेहरोत्रा, सोनम गांधी, प्रदीप जैन, गौरव गांधी, डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब कालपी तहसील अध्यक्ष सलीम अंसारी, नगर अध्यक्ष राजू शुक्ला, महामंत्री अमित यादव, रविंद्र श्रीवास्तव एडवोकेट, राजेश गुप्ता एडवोकेट, असित विष्णोई, आनंद शर्मा, संतोष अवस्थी सहित अनेक समाजसेवी, शिक्षाविद, बुद्धिजीवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज की माइनर ओटी में लगी दो नई डबल डोम ओटी लाइटें

प्रधानाचार्य डॉ. महेंद्र सिंह के प्रयास से हुई स्थापना, मरीजों को मिलेगा बेहतर उपचार

(यंग भारत न्यूज)

उरई। राजकीय मेडिकल कॉलेज के आकस्मिक (इमरजेंसी) विभाग की माइनर ऑपरेशन थियेटर (ओटी) में मरीजों के बेहतर उपचार और शल्यक्रियाओं को सुगम बनाने के उद्देश्य से दो नई डबल डोम ओटी लाइटें स्थापित की गई हैं।

चिकित्सा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. महेंद्र सिंह के मार्गदर्शन एवं प्रयासों से नियमानुसार इन दोनों अत्याधुनिक ओटी लाइटों का क्रय कर माइनर ओटी में स्थापना कराई गई। नई ओटी लाइटों के लगने से चिकित्सकों को शल्यक्रिया के दौरान बेहतर प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध होगी, जिससे उपचार की गुणवत्ता में सुधार आएगा। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, पहले माइनर ओटी में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था का अभाव महसूस किया जा रहा था। अब नई डबल डोम ओटी लाइटों की स्थापना से चिकित्सकों को ऑपरेशन करने में सुविधा होगी और मरीजों को भी बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। चिकित्सा महाविद्यालय प्रशासन ने बताया कि संस्थान में स्वास्थ्य सुविधाओं को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है, ताकि मरीजों को आधुनिक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

कृषि यंत्र और कृषिक्षाउपकरण केअनुदान हेतु16 जुलाई से 10 अगस्त 026 तक ऑनलाइन बुकिंग

(यंग भारत न्यूज)

उरई। उप कृषि निदेशक ने जनपद के समस्त कृषकों को सूचित किया कि कृषि विभाग, उ0प्र0 द्वारा संचालित सबमिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन एवं प्रमोशन आफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फार इन-सीटू मैनेजमेन्ट ऑफ क्राप रेज्ड्यू एवं अन्य योजनान्तर्गत अनुदान पर कृषि यन्त्र प्राप्त करने का सुनहरा अवसर।सबमिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजनान्तर्गत फार्म मशीनरी बैंक, कस्टम हायरिंग सेन्टर, कृषि ड्रोन, रोटावेटर, स्ट्रारीपर, कम्बाईन हार्वेस्टर विद सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम एवं अन्य एकल कृषि यंत्र।प्रमोशन आफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेन्ट आफ क्राप रेन्ड्यूं योजनान्तर्गत सुपर सीडर,श्रव मास्टर, पैडी स्ट्रा चौपर / मल्चर, रोटरी स्लेशर, हाइड्रोलिक रिबर्सेवबल एम0 बी0 प्लाऊ, बेलर, स्ट्रा रैक, रीपर कम बाइण्डर एवं कस्टम हायरिंग सेन्टर, फसल अवशेष प्रबन्धन के अन्य एकल कृषि यंत्र।अन्य योजनाओं के कृषि यंत्र / कृषि रक्षा उपकरण के आवेदन हेतु बुकिंग दिनांक 16.07.2026 से प्रारम्भ है।जो दिनांक-10.08.2026 रात्रि 12:00 बजे तक की जा सकेगी। बुकिंग हेतु विभागीय पोर्टल agriculture.up.gov.in पर क्लिक कर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।आवेदन / बुकिंग के समय ही कृषक को यंत्रवार निर्धारित जमानत धनराशि ऑनलाइन जमा करनी होगी। जिसका विवरण निम्नवत है।रू0 10001 (दस हजार एक) से रू0 100000 (एक लाख) तक अनुदान के कृषि यंत्रों हेतु जमानत धनराशि रू0 2500 एवं रू0 100000 (एक लाख) से अधिक अनुदान वाले कृषि यंत्रों हेतु जमानत धनराशि रू0 5000 निर्धारित है।अत: जनपद के समस्त कृषकों को कृषि यंत्रों की बुकिंग हेतु आमंत्रित किया जाता है लक्ष्य से अधिक बुकिंग होने पर ई-लॉटरी के माध्यम से चयन की कार्यवाही सम्पन्न की जाएगी।

एसएफजी जन कल्याण फाउंडेशन का हरित अभियान जारी, 36वां पौधा लगाया, 111 पौधों का लिया संकल्प

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के निर्माण के उद्देश्य से एसएफजी जन कल्याण फाउंडेशन द्वारा चलाया जा रहा वृक्षारोपण अभियान लगातार आगे बढ़ रहा है। संस्था ने वर्ष 2026 में ट्री गार्ड सहित 111 पौधे लगाने का संकल्प लिया है। इसी क्रम में रविवार को छह नए पौधों का रोपण किया गया, जिसके साथ अभियान के तहत लगाए गए पौधों की संख्या बढ़कर 36 हो गई।

रविवार सुबह फाउंडेशन के सदस्यों ने शहर के एक सड़क डिवाइडर पर पांच पौधे लगाए। इसके बाद रितेश राजपूत के आवास के बाहर बाँस से निर्मित ट्री गार्ड लगाकर अशोक का पौधा रोपित किया गया। संस्था का कहना है कि केवल पौधे लगाना ही नहीं, बल्कि उनकी सुरक्षा और नियमित देखभाल भी अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। इसी वजह से प्रत्येक पौधे को ट्री गार्ड से सुरक्षित किया जा रहा है, ताकि वह भविष्य में एक विशाल वृक्ष बनकर पर्यावरण संरक्षण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके। फाउंडेशन के प्रबंधक सुमित कुमार ने बताया कि संस्था का प्रयास लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना और उन्हें वृक्षारोपण से जोड़ना है। उन्होंने नगरवासियों से अपील की कि वे अपने जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ या अन्य विशेष अवसरों पर पौधारोपण कर इन पलों को यादगार बनाने के साथ प्रकृति के संरक्षण में भी योगदान दें। इच्छुक लोग एसएफजी जन कल्याण फाउंडेशन के माध्यम से ट्री गार्ड सहित पौधारोपण करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि हरित और स्वच्छ भारत का सपना जनसहभागिता से ही साकार हो सकता है। इसलिए संस्था ने नागरिकों से इस अभियान में श्रमदान और आर्थिक सहयोग करने की भी अपील की है। इस अवसर पर फाउंडेशन के प्रबंधक सुमित कुमार, उपाध्यक्ष प्रखर गौतम, अरुण पुरवार, नवीन त्रिपाठी, रितेश राजपूत, आय-व्यय निरीक्षक आशीष कुमार एवं अर्विंद सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। संस्था ने विश्वास जताया कि जनसहयोग से वर्ष 2026 में 111 पौधों के वृक्षारोपण का लक्ष्य निश्चित रूप से पूरा किया जाएगा।

पॉलिटेक्निक के संयुक्त परीक्षा 026 की काउंसलिंग का तृतीय चरण 21 से

(यंग भारत न्यूज)

उरई। प्रदेश के समस्त पॉलिटेक्निक संस्थानों में समस्त ग्रुप की (फार्मेसी छोड़कर) संयुक्त प्रवेश परीक्षा (पॉलिटेक्निक)-2026 की चल रही काउंसलिंग का तृतीय चरण दिनांक 21-07-2026 से प्रारंभ हो रहा है। जनपद जालौन के सहायता केन्द्र राजकीय पॉलीटेक्निक उरई व राजकीय पॉलीटेक्निक माधौगढ़ बनाए गए हैं। जनपद जालौन काउन्सिलिंग प्रभारी राघवेन्द्र सिंह ने अवगत कराया है कि काउन्सिलिंग में प्रतिभाग करने हेतु अभ्यर्थी को सर्व प्रथम अपने लॉगिन आईडी पासवर्ड के द्वारा पोर्टल https.//jeecup.admissions.nic.in पर लॉगिन करते हुए प्रवेश हेतु विगत वर्ष- 2025 की ओपनिंग और क्लोजिंग रैंक का अध्ययन कर चयनित संस्था/पाठ्यक्रम के विकल्पों को अधिकाधिक संख्या में पोर्टल पर प्रविष्ट करना उचित होगा। राजकीय पॉलीटेक्निक उरई में 201 सीट के सापेक्ष 161 सीट आवंटित हो चुकी हैं तथा राजकीय पॉलीटेक्निक माधौगढ़ में 246 सीट के सापेक्ष 172 सीट पर अभ्यर्थियों ने शुल्क जमा कर दिया है। डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन प्रवक्ता गौसुद्दीन, विनय कुमार, करिश्मा गुप्ता ,सतीश कुमार, प्रकाश गुप्ता व मनोज अहिरवार द्वारा जनपद के सहायता केन्द्र पर प्रात: 10 बजे से सायं 05 बजे तक निर्धारित तिथियों में किया जा रहा है। फ्लॉट/फ्रिज का विकल्प चयन करने की दशा में अभ्यर्थी को निर्धारित सीट एक्सेप्टेंस शुल्क एवं काउन्सिलिंग शुल्क कुल 3250/- पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन जमा करना होगा। डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन के समय अभ्यर्थी अपने समस्त मूल प्रमाण पत्र, दो सैट छायाप्रतियों के साथ, दो नवीनतम फोटोग्राफ, दो फाइल कवर के साथ सहायता केन्द्र पर उपस्थित हों, अभ्यर्थी भलीभांति जांच कर लें कि उन्होंने जिस श्रेणी में आवेदन किया है उसका प्रमाण पत्र डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन के समय होना अनिवार्य है। सीट आवंटन के पश्चात सीट एक्सेप्टेंस शुल्क एवं काउन्सिलिंग शुल्क न जमा करने वाले अभ्यर्थी अथवा अभिलेख सत्यापन न करवाने वाले अभ्यर्थियों की आवंटित सीट, निरस्त हो जाएगी। ऐसे अभ्यर्थी काउन्सिलिंग के अगले चरण के लिए पात्र नहीं होंगे। परन्तु ऐसे सभी अभ्यर्थी चतुर्थ चरण से पुन: काउन्सिलिंग में प्रतिभाग कर सकते हैं। अभ्यर्थी काउन्सिलिंग से संबंधित किसी भी समस्या के लिए किसी भी कार्य दिवस में राजकीय पॉलीटेक्निक उरई व राजकीय पॉलीटेक्निक माधौगढ़ में संपर्क कर सकते हैं।

सोनम बांछू के आंदोलन से सरकार में हड़कंप, दिल्ली में हुई साढ़े तीन घंटे की बैठक

सोनम वांगचुक बने नए अन्ना

(यंग भारत न्यूज)

देश की राजनीति में एक बार फिर सामाजिक आंदोलन की गूंज सुनाई दे रही है। करीब 12 साल बाद सोनम बांछू के नेतृत्व में युवाओं का एक नया आंदोलन उभर कर सामने आया है, जिससे केंद्र सरकार के भीतर बेचैनी बढ़ गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जिस तरह 1975 में जय प्रकाश नारायण और 2011 में अन्ना हजारे के आंदोलनों ने देश की सत्ता समीकरण बदल दिए थे, उसी तरह सोनम बांछू का आंदोलन भी एक बड़े परिवर्तन का संकेत दे रहा है।

सरकार की बैठक, शीर्ष नेता मौजूद

सूत्रों के अनुसार सोनम बांछू के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए दिल्ली में सरकार के शीर्ष नेतृत्व की साढ़े तीन घंटे लंबी बैठक हुई। बैठक में केंद्रीय मंत्री अमित शाह, पीयूष गोयल और धर्मेंद्र प्रधान शामिल थे। बैठक में आंदोलन से निपटने की रणनीति और सरकार की छवि बचाने पर मंथन किया गया।

युवा जुड़ रहे, सरकार चिंतित

सोनम बांछू ने युवाओं को संगठित कर सरकार को जवाबदेह बनाने का काम शुरू किया है। सरकार के अंदर डर है कि कहीं यह आंदोलन देश में 'दूसरा JP आंदोलन' न बन जाए। फिलहाल पूरे देश की नजर इस बात पर है कि यह नया सामाजिक नेतृत्व किस दिशा में जाता है।

देर रात से हो रही झमाझम बारिश से लोगों को गर्मी मिली राहत वहीं किसानों के चेहरे पर दौड़ी खुशी की लहर

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन)आपको बता दें पिछले कुछ दिनों से भीषण गर्मी उमस से आमजनमानस व किसानों का बुरा हाल था एक तरफ गर्मी दूसरी ओर किसान की खरीब की फसल का समय चल रहा है जिससे खेत जुताई व बुबाई नहीं हो पा रही थी लेकिन रविवार देर रात से हो रही झमाझम बारिश ने उमस भरी गर्मी से राहत मिली वहीं किसानों के चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई किसानों को उम्मीद हो गई खेतों में जुताई होने लगेगी व बुबाई का समय आ गया है इस समय किसान ज्वार बाजरा तिलहन मक्का की फसल बुबाई का समय चल रहा है इस फसल की बुबाई का किसान बेशब्री से इंतजार कर रहे थे किसानों का कहना है की अगर मौसम ने साथ दिया तो ज्वार बाजरा मक्का तिलहन की फसल में कम लागत में आमदनी अच्छी हो जाती है जिससे आगे की फसल जैसे गेहूँ लाही चना मटर अन्य फसलें इन फसलों की आमदनी से हो जाती हैं।

जालौन की होनहार बिटिया ने बिना कोचिंग फतह की नीट परीक्षा, अब डॉक्टर बनने का सपना होगा साकार

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ के ग्राम सरावन की होनहार बेटी अंजली राठौर ने बिना किसी कोचिंग के केवल घर पर पढ़ाई कर नीट (हृश्वश्वञ्ज) परीक्षा में सफलता हासिल कर अपने परिवार और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से गांव में खुशी का माहौल है।अंजली के पिता देवेंद्र कुमार राठौर ने बताया कि बेटी शुरू से ही पढ़ाई में मेहनती रही है। उसकी सफलता में सबसे बड़ा योगदान उसकी मां का रहा, जिन्होंने हर कदम पर उसका हौसला बढ़ाया। अंजली ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और दादा-दादी को भी दिया, जिनके सहयोग और आशीर्वाद से वह डॉक्टर बनने की राह पर आगे बढ़ सकी।

अंजली ने इंटरमीडिएट की पढ़ाई जालौन से पूरी की। इसके बाद उन्होंने किसी भी कोचिंग संस्थान का सहारा नहीं लिया और घर पर नियमित अध्ययन कर नीट परीक्षा की तैयारी की। वह प्रतिदिन लगभग 12 घंटे पढ़ाई करती थीं। उन्होंने बताया कि डॉक्टर बनने की प्रेरणा उन्हें टीवी पर प्रसारित मेडिकल आधारित धारावाहिक देखकर मिली, जिसके बाद उन्होंने इसी लक्ष्य को अपना सपना बना लिया। परिवार में अंजली से छोटी एक बहन और एक भाई हैं। उनकी सफलता से पूरे परिवार में खुशी का माहौल है और गांव के लोग भी उन्हें बधाई दे रहे हैं। अंजली ने विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और पूरी लगन व अनुशासन के साथ मेहनत की जाए, तो बिना कोचिंग के भी बड़ी परीक्षाओं में सफलता हासिल की जा सकती है। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास, नियमित पढ़ाई और परिवार का सहयोग सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। अंजली राठौर की यह सफलता ग्रामीण क्षेत्र के उन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का साहस रखते हैं।

उरई में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ निकली भव्य श्री जगन्नाथ रथ यात्रा

हजारों श्रद्धालुओं ने खींची रथ की रस्सी, हरिनाम संकीर्तन से गुंजायमान हुआ सम्पूर्ण नगर

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। भगवान श्री जगन्नाथ, श्री बलदेव एवं माता सुभद्रा की असीम कृपा से इस्कॉन केंद्र उरई द्वारा सोमवार, 20 जुलाई 2026 को आयोजित भव्य श्री जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव अत्यंत श्रद्धा, उल्लास एवं भक्तिभाव के साथ सम्पन्न हुआ। नगर के विभिन्न मार्गों से निकली इस दिव्य यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान के दिव्य दर्शन कर रथ की रस्सी खींचने का सौभाग्य प्राप्त किया। हरिनाम संकीर्तन, जयघोष और भक्तों के उत्साह से पूरा उरई नगर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया।

श्रीमान माधव प्रिय किंकर प्रभु के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में निकली यह भव्य रथ यात्रा इस्कॉन केंद्र उरई से प्रारम्भ होकर कोंच बस स्टैंड, जिला परिषद, सरदार वल्लभभाई पटेल चौराहा, अंबेडकर चौराहा एवं घंटाघर होते हुए पुनः इस्कॉन केंद्र पहुँची। यात्रा मार्ग में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों तथा श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा, आरती एवं जयघोष के साथ भगवान श्री जगन्नाथ का भव्य स्वागत किया। रथ यात्रा का विशेष आकर्षण सफेद हाथी पर सवार श्रील ए.सी. भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद जी की दिव्य झांकी रही, जिसने सभी श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। इसके साथ ही श्रीमद्भगवद्गीता पर आधारित

प्रेरणादायक झांकी, भगवान श्री जगन्नाथ, श्री बलदेव एवं माता सुभद्रा का भव्य एवं सुसज्जित रथ तथा काले एवं सफेद हाथियों की आकर्षक प्रस्तुति ने रथ यात्रा की भव्यता को और भी अलौकिक बना दिया। श्रद्धालु इन मनोहारी दृश्यों को अपने मोबाइल कैमरों में कैद करते रहे। देश-विदेश से पधारे इस्कॉन के भक्तों ने मृदंग, करताल, हरिनाम संकीर्तन एवं भक्ति नृत्य के माध्यम से पूरे नगर को कृष्णमय बना दिया। सम्पूर्ण यात्रा के दौरान हजारों श्रद्धालु सामूहिक रूप से—हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे। हरे राम हरे राम, राम राम हरे हरे।महामंत्र का संकीर्तन करते हुए आगे बढ़ते रहे। भक्तों के नृत्य, संकीर्तन एवं जयघोष से सम्पूर्ण नगर आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्तिरस से ओत-प्रोत हो उठा। यात्रा के समापन पर इस्कॉन केंद्र में भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य महाआरती सम्पन्न हुई। तत्पश्चात सभी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रेमपूर्वक महाप्रसाद ग्रहण कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। रथ यात्रा के सफल आयोजन में ऋषभ प्रभु, अवधकिशोर प्रभु, राजकुमार प्रभु सहित अनेक सेवाभावी स्वयंसेवकों ने समर्पित भाव से महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रशासन, पुलिस विभाग, नगर प्रशासन, मीडिया प्रतिनिधियों, सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों तथा समस्त नगरवासियों के सहयोग से यह आयोजन अत्यंत अनुशासित, शांतिपूर्ण एवं भव्य रूप से सम्पन्न हुआ।

आयोजन समिति ने सभी सहयोगकर्ताओं, स्वयंसेवकों, मीडिया बंधुओं एवं श्रद्धालुओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि भगवान श्री जगन्नाथ की असीम कृपा एवं श्रीमान माधव प्रिय किंकर प्रभु के मार्गदर्शन में आगामी वर्षों में भी यह रथ यात्रा और अधिक भव्य स्वरूप में आयोजित होती रहेगी तथा प्रेम, सेवा, समरसता, सनातन संस्कृति और हरिनाम संकीर्तन का दिव्य संदेश जन-जन तक पहुँचाती रहेगी।

शिक्षा और सामाजिक समरसता पर मंथन, मेधावी छात्राओं व समाजसेवियों का हुआ सम्मान

-बौद्धिक परिचर्चा में वक्ताओं ने कहा योग्यता, शिक्षा और एकजुटता से होगा समाज का समग्र विकास

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। कालपी रोड स्थित राधिका इन के सभागार में विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ताओं के संयुक्त तत्वावधान में बौद्धिक परिचर्चा एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, सामाजिक समरसता और समाज के विकास जैसे विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। साथ ही हाईस्कूल में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करने वाली मेधावी छात्राओं एवं समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया गया।मुख्य अतिथि इंस्टीट्यूट ऑफ को-ऑपरेटिव एंड कॉर्पोरेट मैनेजमेंट, रिसर्च एंड ट्रेनिंग, लखनऊ के प्रोफेसर डॉ. राम कोमल प्रजापति ने कहा कि वैदिक काल में सामाजिक छुआछूत का कोई अस्तित्व नहीं था। उन्होंने कहा कि उस समय समाज में व्यक्ति का सम्मान उसके गुण, कर्म और योग्यता के आधार पर होता था। उन्होंने प्राचीन ऋषियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में वर्ण व्यवस्था कर्म आधारित थी, जन्म आधारित नहीं।मुख्य वक्ता एवं उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ के निदेशक डॉ. प्रवीण सिंह जादौन ने कहा कि शिक्षा समाज में समानता और सामाजिक समरसता स्थापित करने का

सबसे प्रभावी माध्यम है। शिक्षित समाज ही जाति, धर्म और रूढ़िवादिता से ऊपर उठकर तार्किक सोच और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देता है।विशिष्ट अतिथि अयोध्या प्रसाद प्रजापति, सहायक निदेशक, सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंधन संस्थान, लखनऊ ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को आधुनिक तकनीक और संसाधनों का बेहतर उपयोग करना सिखाती है। उन्होंने महिला शिक्षा पर विशेष बल देते हुए कहा कि किसी भी समाज की प्रगति उसकी महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण से आंकी जाती है।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए छेदालाल प्रजापति ने कहा कि आधुनिक दौर में तकनीक ने लोगों को जोड़ा जरूर है, लेकिन सामाजिक रिश्तों में दूरियां भी बढ़ी हैं। ऐसे समय में समाज को एकजुट होकर शिक्षा, स्वास्थ्य और जरूरतमंद वर्गों के उत्थान के लिए सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता है।इस अवसर पर हाईस्कूल परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर जनपद का गौरव बढ़ाने वाली मेधावी छात्राएं अंजली, आर्या, रितिका और प्रियंका सहित शिक्षाविद राम प्रकाश प्रजापति, माता प्रसाद, पूरन लाल एवं कृष्ण बिहारी को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।परिचर्चा में जिला पंचायत सदस्य विकल कुमार प्रजापति, जिला केंद्रीय सहकारी उपभोक्ता भंडार लिमिटेड जालौन के अध्यक्ष उपेन्द्र सिंह राजावत, केदार नाथ प्रजापति, राम प्रकाश प्रजापति, राजू प्रजापति एवं पूरन लाल प्रजापति ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन संयोजक श्याम करन प्रजापति ने किया। इस दौरान राहुल समाधिया, रविन्द्र परमार, नरेंद्र प्रजापति, अनुज द्विवेदी, कमलेश, राजेंद्र फौजी, कैलाश प्रजापति, रविन्द्र, प्रतिपाल प्रजापति, रामसिया, रूप सिंह, अमित प्रजापति,मनीष प्रजापति पत्रकार,नीरज प्रजापति पत्रकार,सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

महाकाल दर्शन को जा रहे पीडब्ल्यूडी कर्मचारी की सड़क हादसे में मौत, परिवार में मचा कोहराम

(यंग भारत न्यूज)

उरई। महाकालेश्वर मंदिर, उज्जैन के दर्शन के लिए साथियों के साथ कार से जा रहे लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के कर्मचारी की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। हादसा कार का अगला टायर फटने से हुआ, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में पीडब्ल्यूडी कर्मचारी सहित दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

मृतक की पहचान सिरसा कलार थाना क्षेत्र के ग्राम अभेदेपुर निवासी श्याम जी प्रजापति (37) के रूप में हुई है। वह लोक निर्माण विभाग, उरई में बाबू के पद पर कार्यरत थे। बताया गया कि 18 जुलाई की रात वह अपने आठ साथियों के साथ कार से उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर के दर्शन के लिए निकले थे। रास्ते में कार का अगला टायर अचानक फट गया, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में सभी यात्री घायल हो गए। उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान देर रात श्याम जी प्रजापति ने दम तोड़ दिया। दुर्घटना में उनके एक अन्य साथी की भी मृत्यु हो गई। श्याम जी के पिता स्वर्गीय अतिरूप प्रजापति भी लोक निर्माण विभाग में कार्यरत थे और सेवाकाल के दौरान उनका निधन हो गया था। इसके बाद श्याम जी को मृतक आश्रित कोटे के तहत विभाग में नियुक्ति मिली थी। प्रारंभिक तैनाती उरई में होने के बाद उनका स्थानांतरण उन्नाव कर दिया गया था। रविवार रात शव गांव पहुंचने पर परिजनों और ग्रामीणों में शोक की लहर दौड़ गई। सोमवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया। श्याम जी अपने परिवार के मुख्य कमाऊ सदस्य थे। उनके परिवार में पत्नी मंजेशी, पुत्र दिव्यांश, पुत्री मानसी तथा अन्य परिजन हैं। इस दुखद घटना से पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त है।

जिले में युवाओ के साथ साथ हर उम्र के स्त्री पुरुषों की अकाल मौतों का थम नहीं रहा सिलसिला

युवक ने फांसी लगाकर जीवन लीला समाप्त की

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ जालौन थाना कोतवाली माधौगढ़ वार्ड नंबर 5 पटेल नगर निवासी रवि सिह पुत्र धीरज सिंह उम्र 19 वर्ष ऊमरी रोड महाकाल ढाबा के पीछे सूत्रों से मिली जानकारी शाम समय 700 बजे खेत मे यूटीलिपटिस के पेड़ से रास्सी के फदे से रावि सिंह ने फांसी लगाकर जीवन लीला समाप्त की किसान भैंसों को चराकर उसी रास्ते से घर वापस लोट रहा था तभी किसान कि नजर उसी

पेड पर पढी देखा कोई व्यक्ति फासी लगाकर लटक रहा है तभी खेत मालिक को सुचना दी खेत मालिक खेत पर आया देखा कि रावि सिह फासी पर लटक रहा है परिजन भी खेत पर पहुंचे रावि को देखते रोने चिल्लाने लगी तभी भीड भाड हो गई कोतवाली प्रभारी माधौगढ विनोद कुमार मिश्रा को सुचना दी सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार मिश्रा व एस आई कस्बा इंचार्ज दिनेश तोमर पुलिस लवलेश जितेन्द्र कुमार अदि पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे शव को कब्जे मे लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा पुलिस जुटी जांच पड़ताल में

गांधी चबूतरा पर सोनम वांगचुक के समर्थन में विद्यार्थियों का शांतिपूर्ण धरना

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की उठाई मांग

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। सोमवार को विद्यार्थियों ने गांधी चबूतरा पर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन कर शिक्षाविद सोनम वांगचुक के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर चिंता जताई।

विद्यार्थियों ने प्रदर्शन के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की मांग की और कहा कि युवाओं एवं शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर सरकार को गंभीरता से कदम उठाने चाहिए।धरना शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। प्रदर्शन के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी मांगों को लेकर प्रशासन के माध्यम से ज्ञापन सौंपने की भी बात कही।

अपना दल (एस) कार्यालय में जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी ने सुनीं गरीब एवं पीड़ित जनता की समस्याएं

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। अपना दल (एस) के जिला कार्यालय में रविवार को जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी ने जनसुनवाई कर गरीब एवं पीड़ित लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान रामबाबू कुशवाहा विधानसभा महासचिव उरई, बादशाह सिंह उमरारखेड़ा, जितेंद्र कुमार कुशवाहा, मिथलेश सानी, प्रदीप सिंह कुशवाहा गिदवासा, लक्ष्मन सिंह, मौनू कोंच, हल्के सिंह गोरन, देवनारायण सिंह गोरन सहित आदि ग्रामीण मौजूद रहे। जो अपनी विभिन्न शिकायतों और समस्याओं को लेकर कार्यालय पहुंचे।

जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी ने प्रत्येक फरियादी की समस्या को गंभीरता से सुना और संबंधित पदाधिकारियों से आवश्यक जानकारी लेकर उनके त्वरित एवं न्यायपूर्ण समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि अपना दल (एस) आमजन की आवाज़ को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने और जरूरतमंद लोगों को न्याय दिलाने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भी कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें तथा जरूरतमंद लोगों की हरसंभव सहायता करें। इस अवसर पर पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाईक सवार दंपति गंभीर रूप से घायल

(यंग भारत न्यूज)

उरई / कदौरा। कदौरा कस्बे के बेरी रोड स्थित सिंधी गेस्ट हाउस के पास रविवार देर रात करीब 11 बजे एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दंपति को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान कदौरा निवासी वासीक शाह (55) एवं उनकी पत्नी मुन्नी उर्फ बंगाली (52) के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, दंपति सिंधी गेस्ट हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम में खाना बनाने का कार्य समाप्त कर बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे तथा घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कदौरा पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल उरई रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। कदौरा कस्बा प्रभारी शिववीर सिंह ने बताया कि पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में लेकर वाहन को कब्जे में कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है तथा आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर आप कार्यकर्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। केन्द्र सरकार के शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रविवार को जिलाध्यक्ष विनय चौरसिया के नेतृत्व में प्रदर्शन किया और प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथों में बैनर लेकर नारेबाजी करते हुए शिक्षा व्यवस्था को लेकर सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया।

जिलाध्यक्ष विनय चौरसिया ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर केन्द्र सरकार पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा मंत्री नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दें। कार्यकर्ताओं ने कहा कि छात्रों और युवाओं के हितों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रदर्शन के बाद आम आदमी पार्टी पदाधिकारियों ने अपनी मांगों को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा और शीघ्र कार्रवाई की मांग की। इस मौके पर पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जंतर-मंतर पर छात्र-युवा आंदोलन के समर्थन में वामपंथी दलों ने किया प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। सोमवार को जनपद के वामपंथी दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र-युवा आंदोलन के समर्थन में कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपकर आंदोलनकारियों की मांगों पर शीघ्र ध्यान दिए जाने की अपील की।

ज्ञापन में कहा गया कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर न्याय, जवाबदेही और छात्रों की विभिन्न मांगों को लेकर छात्र-युवा आंदोलन पिछले एक सप्ताह से जारी है, जबकि आंदोलन के तहत भूख हड़ताल को 20 दिन पूरे हो चुके हैं। इसके बावजूद आंदोलनकारियों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया है। वामपंथी नेताओं ने आरोप लगाया कि भूख हड़ताल पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को पुलिस द्वारा जबरन हिरासत में लिया गया, जिसकी उन्होंने कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगें रखने वाले आंदोलनकारियों के साथ इस प्रकार का व्यवहार उचित नहीं है।प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति से हस्तक्षेप कर आंदोलन कारियों की मांगों पर गंभीरता से विचार कराने तथा लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। इस दौरान वामपंथी दलों के नेताओं ने कहा कि शांतिपूर्ण आंदोलनों का सम्मान किया जाना चाहिए और संवाद के माध्यम से समस्याओं का समाधान निकाला जाना चाहिए। ज्ञापन सौंपने के दौरान वामपंथी दलों नेता भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी नेता सुधीर अवस्थी, का. देवेश चौरसिया, का. शिव बालक, विजय सिंह राठौर,, भारत सिंह जाटव, भानू प्रताप सिंह राजपूत, हरीशंकर, का. रामसिंह चौधरी, रामदास, सुरेशचंद्र, रामदास सहित आदि वामपंथी दल के नेता मौजूद रहे।

लखनऊः जवाहर भवन में लगी भीषण आग; 15 दमकल गाड़ियों ने पाया काबू, 19 बार नोटिस के बाद भी नहीं चेते अफसर

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊः राजधानी लखनऊ के सबसे महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालयों में शामिल जवाहर भवन में सोमवार सुबह भीषण आग लग गई. इस हादसे ने सरकारी इमारतों की फायर सेफ्टी व्यवस्था पर बड़े गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. राहत की बात यह रही कि पुलिस और फायर विभाग की त्वरित कार्रवाई से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया.19 बार नोटिस को किया नजरअंदाज: इस अग्निकांड ने प्रशासनिक लापरवाही को पूरी तरह उजागर कर दिया है. जिस जवाहर भवन में आग लगी, उसे फायर सेफ्टी की कमियों को लेकर पहले ही 19 बार नोटिस जारी किए जा चुके थे. ये नोटिस भवन के प्रशासनिक अधिकारी (व्यवस्था अधिकारी) और अधिशाषी अभियंता (एक्सईएन) को भेजे गए थे. अगर जिम्मेदार अधिकारियों ने समय रहते इन नोटिसों पर ध्यान देकर सुधार कराया होता, तो शायद यह हादसा नहीं होता. सुरक्षा मानकों में मिली थीं कमियां: फायर विभाग ने अपने पूर्व निरीक्षण और फायर ऑडिट के दौरान पाया था कि भवन में अग्निशमन उपकरण सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं हैं. इमारत में कई जरूरी उपकरण या तो उपलब्ध ही नहीं थे या ठीक से

काम नहीं कर रहे थे. नोटिसों में इन कमियों को जल्द से जल्द दूर करने के कड़े निर्देश दिए गए थे, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने इसे कभी गंभीरता से नहीं लिया. चीफ फायर ऑफिसर अंकुश मित्तल ने बताया कि फायर विभाग लगातार सरकारी और निजी इमारतों का फायर ऑडिट करता है. बिना एनओसी चल रही थीं कई इमारतें: विभाग का मुख्य उद्देश्य यही होता है कि जहां भी सुरक्षा में कमी मिले, वहां नोटिस जारी कर सुधार कराया जाए ताकि हादसों को रोका जा सके. उन्होंने यह भी चिंता जताई कि लखनऊ में अभी भी कई ऐसी इमारतें हैं, जहां फायर फाइटिंग के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं. ऐसी असुरक्षित इमारतों को विभाग की ओर से कोई फायर एनओसी जारी नहीं की गई है. संबंधित भवनों को बार-बार नोटिस देकर सुरक्षा उपकरण लगाने और मानकों का पालन करने के सख्त निर्देश दिए जाते हैं. लापरवाह अधिकारियों पर तय होगी जवाबदेही: जवाहर भवन में लगी आग के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि 19 बार चेताने के बाद भी कमियां क्यों नहीं दूर की गईं प्रशासनिक अधिकारी और अधिशाषी अभियंता ने इन नोटिसों पर क्या कार्रवाई की, अब इसकी गहन जांच की जाएगी. यदि जांच में लापरवाही की पुष्टि होती है तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय कर कड़ी कार्रवाई की जा सकती है. हालांकि फायर विभाग की तत्परता से इस बार एक बहुत बड़ा हादसा होने से टल गया. औपचारिकता समझने की भूल पड़ेगी भारी: जवाहर भवन की इस घटना ने यह साफ कर दिया है कि यदि फायर सेफ्टी नोटिसों को केवल औपचारिकता समझकर नजरअंदाज किया गया, तो भविष्य में इसके परिणाम अधिक गंभीर हो सकते हैं. यह घटना सरकारी इमारतों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की वास्तविक जमीनी स्थिति पर एक बड़ा सवालिया निशान लगाती है. चीफ फायर ऑफीशर अंकुश मित्तल ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 9:55 पर इस आग की सूचना मिली थी. हजरतगंज थाना क्षेत्र स्थित जवाहर भवन के पिछले हिस्से की चौथी मंजिल पर बने एक कार्यालय में यह आग भड़की थी. 15 दमकल गाड़ियों ने पाया काबूः आग की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, हजरतगंज थाना प्रभारी और भारी पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंच गए. वहीं हजरतगंज फायर स्टेशन से तीन दमकल गाड़ियों को बिना वक्त गंवाए तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया गया. इसके बाद स्थिति की गंभीरता को देखते हुए शहर के अलग-अलग फायर स्टेशनों से भी दमकल वाहन बुलाए गए. देखते ही देखते कुछ ही देर में कुल 15 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हुआ. आधे घंटे में स्थिति हुई सामान्यः चीफ फायर ऑफिसर अंकुश मित्तल ने बताया कि सूचना मिलने के कुछ ही मिनटों के भीतर दमकल की गाड़ियां मौके पर एक्टिव हो गई थीं. सबसे पहले पूरी बिल्डिंग को सुरक्षित कराते हुए वहां मौजूद लोगों को कुशलतापूर्वक बाहर निकाला गया. इसके बाद पुलिस और फायर विभाग की संयुक्त टीम ने आग बुझाने का काम तेजी से शुरू किया. करीब आधे घंटे की भारी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया और अब स्थिति सामान्य है तथा आग के कारणों की जांच जारी है.

सुहागरात की सुबह कैसे हुई 75 साल के संगरू राम की मौत पोस्ट मॉर्टम में आई चौंकाने वाली वजह पत्नी भी ये बोली...

(यंग भारत न्यूज)

जौनपुर। प्रदेश के जौनपुर से सनसनीखेज मामला सामने आया था. यहां 75 साल के शख्स ने 35 साल की महिला के साथ शादी की थी. मगर सुहागरात के बाद ही शख्स की मौत हो गई थी. सुहागरात की सुबह शख्स की तबीयत अचानक खराब हो गई और उसे बचाया नहीं जा सका. बता दें कि अब शख्स की मौत की असल वजह सामने आ गई है.

75 साल के संगरू राम के शव का पोस्टमॉर्टम परिजनों ने करवाया था. पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में अब संगरू राम की मौत की वजह सामने आ गई है और पता चल गया है कि आखिर सुहागरात की सुबह अचानक संगरू राम को क्या हुआ था पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सामने आया है कि संगरू राम की मौत शॉक की वजह से हुई है. पोस्टमॉर्टम में शॉक और कोमा को मौत का कारण बताया गया है. पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट की पुष्टि खुद जौनपुर के गौराबादशाहपुर थाने के प्रभारी प्रवीण यादव ने की है.मिली जानकारी के मुताबिक, संगरू राम की पत्नी की मौत 1 साल पहले ही हुई थी. दोनों के कोई भी संतान नहीं थी. ऐसे में पत्नी की मौत के बाद वह अकेले हो गए थे. दूसरी तरफ जिस 35 वर्षीय मनभावती से संगरू राम ने शादी की थी, उसकी भी ये दूसरी शादी थी. महिला के पहले से ही 3 बच्चे थे. इस शादी के लिए संगरू राम ने अपनी 5 बिस्वा जमीन 5 लाख रुपये में बेच भी दी थी. राम की मौत के बाद महिला का कहना है कि उसका इस शादी के लिए मन नहीं था. मगर उसे लगा कि उसके तीनों बच्चों की जिम्मेदारी संगरू राम उठा लेंगे. महिला ने ये भी बताया कि कोर्ट मैरिज और शादी के बाद सुहागरात के समय सुबह तक दोनों ने आपस में काफी बातें की. मगर फिर अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई. अस्पताल लेकर गए. मगर तब तक उनकी मौत हो चुकी थी.

कागजों पर 'ब्याज और गारंटी मुक्त' लोन, लेकिन हकीकत में बैंकों के चक्कर काट रहे यूपी के युवा; पढ़िए खास रिपोर्ट

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊः उत्तर प्रदेश में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए योगी सरकार की 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना' को एक गेम-चेंजर माना जा रहा है, जो बिना गारंटी और बिना ब्याज के 5 लाख तक का लोन दे रही है, लेकिन क्या वाकई यह लोन युवाओं को आसानी से मिल रहा है हमारी जमीनी पड़ताल बताती है कि सरकारी कार्यालयों से लेकर बैंकों के चक्कर काटते-काटते कई युवाओं के उद्यम शुरू करने के सपने दम तोड़ रहे हैं. कहीं नई डीपीआर नीति रोड़ा बन रही है, तो कहीं बैंकों का पेंडिंग प्रोजेक्ट्स का अंबार. इस विशेष स्टोरी में हम आंकड़ों के साथ योजना के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत बेनकाब करेंगे. पेश है मनीष चौहान के संपादन में ऋषि मिश्र की विशेष ग्राउंड रिपोर्ट

दरअसल, उत्तर प्रदेश में 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना' को भले ही

गेम-चेंजर माना जा रहा हो, लेकिन हकीकत हैरान करने वाली है. आंकड़ों के मुताबिक, योजना की शुरुआत से अब तक बैंक पहुंचे हर 3 आवेदन में सिर्फ 1 ही मंजूर हुआ है. यानी मंजूरी का प्रतिशत सिर्फ 33.82% रहा है. बैंकों द्वारा कागजी कार्रवाई और सिबिल स्कोर के नाम पर आवेदनों को लटकाया जा रहा है. जिसकी वजह से युवा इस योजना का बहुत कम लाभ उठा पा रहे हैं. इस योजना के जरिए योगी सरकार का लक्ष्य हर साल 1 लाख युवाओं को उद्यमी बनाना है, लेकिन ग्राउंड रिपोर्ट दिखाती है कि जिला स्तर पर आवेदन और ऋण स्वीकृति के बीच एक बड़ा अंतर है. सरकार ने हाल ही में पारदर्शिता के लिए विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट और विशेषज्ञों द्वारा भौतिक सत्यापन अनिवार्य किया है, ताकि फर्जी आवेदनों को रोका जा सके. हालांकि, इस व्यवस्था के बाद से योग्य और कम पढ़े-लिखे उम्मीदवारों के लिए ऑनलाइन आवेदन और तकनीकी दस्तावेजीकरण एक बड़ी चुनौती बन गया है, जिसके कारण बैंकों में हजारों प्रोजेक्ट अब भी लंबित हैं. इस मामले में लघु एवं सूक्ष्म उद्योग विभाग के उपाध्यक्ष नटवर गोयल ने बताया कि हमारी इस योजना के माध्यम से सरकार बिना गारंटी के 5 लाख रुपए तक का लोन दे रही है. युवाओं को उद्यमी बनने और उनका रोजगार देने का न केवल उद्देश्य है, बल्कि युवा कुछ अन्य लोगों को भी रोजगार दे सकें, इसका भी प्रयास किया जा रहा है. वहीं, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के मिशन निदेशक सर्वेश्वर शुक्ला बताते हैं कि हम लक्ष्य के नजदीक हैं. फिर भी यह मानने में इंकार नहीं है कि बैंकों से लोन पास होने में दिक्कत होती है, जिसको लेकर लगातार मुख्यमंत्री स्तर पर भी बैठक करके कोशिश की जाती है कि अधिक से अधिक लोन दिया जाए. सारी प्रक्रिया चल रही है, बैंकों के साथ हमारी बातचीत हो रही है

पति की दरिंदगी ने की हदें पार। दान्तों से काट डाला पत्नी के शरीर का ये हिस्सा 16 टांकों के बाद टूटी चुप्पी और दर्ज कराई रिपोर्ट

(यंग भारत न्यूज)

मथुरा। प्रदेश के मथुरा जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. जिले के एक गांव में शुक्रवार को पति-पत्नी के बीच झगड़ा हो गया. हालांकि, लड़ाई ने तब भयानक मोड़ ले लिया जब पति ने अपनी पत्नी का होंठ काट लिया.

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, झगड़े के दौरान पति ने अपनी पत्नी को दांतों से काट लिया, जिसके बाद महिला के होठों में 16 टांके लगाने पड़े. पुलिस ने बताया कि पीड़िता बिल्कुल भी बोलने में सक्षम नहीं है. पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, पीड़िता मौखिक रूप से पुलिस को अपनी आपबीती नहीं बता सकती थी, इसलिए उसने कागज पर पूरी घटना लिखी. महिला ने अपने पति, जेठ और सास के खिलाफ प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया है. मगोर्रा थाना प्रभारी मोहित तोमर ने बताया कि नगला भुच्चन निवासी महिला का आरोप है कि शुक्रवार शाम उसका पति घर आया और उससे झगड़ने लगा और जब उसने उसे शांत होने के लिए कहा तो उसने उसे पीटना शुरू कर दिया. मोहित तोमर के मुताबिक, जब महिला ने अपने पति को शांत रहने के लिए कहा तो उसने अचानक उसके दोनों होठों को दांतों से काट लिया, जिससे खून बहने लगा. ऐसे में जब घर पर मौजूद उसकी बहन बीच-बचाव करने आई तो उसके साथ भी मारपीट की गई. ये खबर आप हिमाचल से में पढ़ रहे हैं। महिला का आरोप है कि जब उसने अपने पति की करतूतों की शिकायत अपनी सास और देवर से की तो उन्होंने भी उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की. पुलिस ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद उसके पिता उसे लेकर थाने पहुंचे और उसके पति विष्णु, सास और देवर के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी गयी है. पुलिस के मुताबिक, उसके होठों पर 16 टांके लगे हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि घरेलू मामले को लेकर पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था. इस घटना के बाद से देवर और सास घर से गायब हैं और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे हैं.

मां विंध्यवासिनी के दर्शन के बाद शिवपाल यादव बोले- 'राम मंदिर में चोरी करने वालों से बड़ा अधर्मी कौन'

(यंग भारत न्यूज)

मिर्जापुर: समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव दो दिवसीय दौरे पर मिर्जापुर जनपद पहुंचे हुए हैं. मिर्जापुर जनपद में आगमन पर सपा कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह फूल-मालाओं के साथ शिवपाल सिंह यादव का भव्य स्वागत किया.

इसके बाद वे सबसे पहले विंध्याचल स्थित प्रसिद्ध मां विंध्यवासिनी देवी मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने पूरे विधि-विधान से मां विंध्यवासिनी देवी का दर्शन पूजन किया. दर्शन के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर जमकर निशाना साधा.सोनम वांगचुक के आंदोलन का समर्थन: शिवपाल यादव ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शनों को लेकर कहा कि सरकार जनता पर सरासर अत्याचार कर रही है. उन्होंने लद्दाख आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि सोनम वांगचुक एक बेहद पढ़े-लिखे व्यक्ति हैं और वे केवल जनता की जायज बात सरकार के सामने रख रहे हैं. मगर यह तानाशाही सरकार उनकी लोकतांत्रिक बातों को बिल्कुल भी मानना नहीं चाहती है. उन्होंने स्पष्ट किया कि समाजवादी पार्टी इस हक की लड़ाई में उनके साथ हर तरीके से खड़ी है.राम मंदिर चंदा चोरी को लेकर पूछा सवाल: इसके बाद राम मंदिर चंदा चोरी के आरोपों को लेकर उन्होंने बीजेपी को आड़े हाथों लिया. उन्होंने कहा कि जब भगवान राम के मंदिर में ही चोरी हो जाए, तो इससे ज्यादा शर्मनाक बात और क्या हो सकती है. उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिर में चोरी करने वाले और कोई नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी के ही लोग हैं. शिवपाल यादव ने तीखे लहजे में पूछा कि आखिर भगवान के घर में चोरी करने वालों से बड़ा अधर्मी इस दुनिया में कौन हो सकता है. 2027 में सपा की जीत का दावा: उत्तर प्रदेश में साल 2027 में होने जा रहे विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने पार्टी की रणनीति साफ की. उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी की तैयारी पूरी है. उन्होंने कहा कि आज वे मां विंध्यवासिनी देवी का दर्शन करने और उनसे जीत का आशीर्वाद लेने आए हैं. शिवपाल यादव ने विश्वास जताया कि समाजवादी पार्टी को हमेशा मां विंध्यवासिनी देवी का आशीर्वाद मिला हुआ है. स्वामी अड़गड़ानंद महाराज के आश्रम रवानगी: उन्होंने धार्मिक विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि जब दैवीय आशीर्वाद मिला होता है, तो जीत पूरी तरह निश्चित होती है. मंदिर में दर्शन पूजन का कार्यक्रम संपन्न कर विंध्याचल से वे सीधे स्वामी अड़गड़ानंद महाराज के आश्रम के लिए रवाना हो गए. वे वहां पहुंचकर पूज्य स्वामी अड़गड़ानंद महाराज का दर्शन करेंगे और आश्रम में ही रात्रि विश्राम करेंगे. इसके बाद मंगलवार को वे पुनः स्वामी अड़गड़ानंद महाराज का आशीर्वाद लेकर आगे के कार्यक्रम के तहत जौनपुर के लिए रवाना होंगे.

सुंदर थी बेटे की दुल्हनियां, प्यार में फिसला ससुर, बोला- इस जन्म में नहीं छोड़ेंगे साथ. फिर कर लिया निकाह

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश में एक ऐसी घटना ने सभी को हैरान कर दिया, जिसने रिश्तों की पवित्रता पर सवाल उठा दिए। एक 55 वर्षीय व्यक्ति ने अपने ही बेटे की मंगेतर के साथ प्रेम संबंध बनाए और फिर उससे विवाह कर लिया।

यह सनसनीखेज मामला तब सामने आया, जब यह जोड़ा निकाह के बाद गांव लौटा, जिसके बाद परिवार और समाज में हंगामा मच गया। गांव की पंचायत ने इस असामान्य रिश्ते पर कड़ा रुख अपनाते हुए दोनों को गांव से निकाल दिया। अब यह प्रेमी जोड़ा कहीं और बस गया है, लेकिन इस घटना की चर्चा पूरे इलाके में जोरों पर है। यह कहानी तब शुरू हुई, जब एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति ने अपने बेटे के लिए एक युवती से रिश्ता तय किया। शादी की तारीख भी तय हो चुकी थी, और दोनों परिवार तैयारियों में जुटे थे। इस दौरान लड़के के पिता का लड़की के घर आना-जाना शुरू हुआ। यह मुलाकातें धीरे-धीरे नजदीकियों में बदल गईं, और किसी को भनक तक नहीं लगी कि ससुर अपनी होने वाली बहू को दिल दे बैठा है। दोनों के बीच प्यार इस कदर परवान चढ़ा कि ससुर ने एक खतरनाक कदम उठाने का फैसला कर लिया। आठ दिन पहले यह व्यक्ति अपनी होने वाली बहू के घर पहुंचा और उसके परिजनों से कहा कि वह उसे डॉक्टर को दिखाने ले जाना चाहता है, क्योंकि वह कमजोर दिख रही है। परिजनों ने भरोसा कर लिया और उसे जाने की इजाजत दे दी। लेकिन जब शाम तक दोनों नहीं लौटे, तो परिजनों को शक हुआ। उन्होंने संपर्क करने की कोशिश की, तो ससुर ने बताया कि लड़की अस्पताल में भर्ती है। ये खबर आप हिमाचल से में पढ़ रहे हैं। दो दिन तक कोई खबर नहीं मिली, और जब परिजनों ने फिर पूछताछ की, तो वह टाल-मटोल करने लगा। आखिरकार, आठवें दिन ससुर ने खुलासा किया कि उसने लड़की से निकाह कर लिया है। यह सुनकर दोनों परिवारों में हड़कंप मच गया। जब यह नवविवाहित जोड़ा गांव लौटा, तो वहां बवाल मच गया। बेटे को अपने पिता की इस हरकत पर गुस्सा आया, और दोनों के बीच तीखी झड़प हुई, जो हाथापाई तक पहुंच गई। दूसरी ओर, ससुर की पत्नी और नई दुल्हन के बीच भी जमकर बहस और झगड़ा हुआ। दोनों पक्ष इतने गुस्से में थे कि बात जान लेने तक पहुंच गई। पड़ोसियों और गांव वालों ने किसी तरह बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। लेकिन यह घटना यहीं खत्म नहीं हुई। गांव में पंचायत बुलाई गई, जहां बेटे और उसकी मां ने ससुर को गांव से निकालने की मांग की। पंचायत ने इस मांग को स्वीकार करते हुए ससुर और उसकी नई पत्नी को गांव छोड़ने का आदेश दिया। अब यह जोड़ा एक अन्य गांव में रह रहा है, और वहां भी उनकी कहानी चर्चा का विषय बनी हुई है। लड़की के परिवार ने इस मामले में ज्यादा विरोध नहीं किया, क्योंकि उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर थी। लेकिन इस घटना ने समाज में कई सवाल खड़े कर दिए हैं। लोग इस बात पर हैरान हैं कि कैसे एक ससुर अपने बेटे की मंगेतर के साथ इस तरह का रिश्ता बना सकता है। यह मामला रिश्तों में विश्वासघात और सामाजिक मूल्यों की अनदेखी का जीता-जागता उदाहरण है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं न केवल परिवारों को तोड़ती हैं, बल्कि समाज में रिश्तों की गरिमा को भी ठेस पहुंचाती हैं। यह घटना सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा में है। कुछ लोग इसे प्यार की जीत मान रहे हैं, तो कुछ इसे रिश्तों पर धब्बा बता रहे हैं।

बीच सड़क युवक को रोका, प्रपोज किया... मना करते ही दी ऐसी धमकी कि वायरल वीडियो पर मच गया बवाल!

(यंग भारत न्यूज)

नई दिल्ली: सोशल मीडिया पर इन दिनों एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक युवती सड़क पर राहगीरों और आने-जाने वाले लोगों को रोककर उनसे बातचीत करती हुई दिखाई दे रही है। वीडियो के साथ यह दावा किया जा रहा है कि युवती नशे की हालत में थी, लोगों को जबरन प्रपोज कर रही थी और एक युवक द्वारा मना करने पर उसने छेड़छाड़ का आरोप लगाने की धमकी दी।

हालांकि, इस वायरल वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। वीडियो कब और कहां का है तथा उसमें किए जा रहे दावे कितने सही हैं, इसकी आधिकारिक पुष्टि फिलहाल उपलब्ध नहीं है। ऐसे में वीडियो में दिख रही घटनाओं और उसके साथ साझा किए जा रहे दावों को सावधानी के साथ देखने की जरूरत है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में एक युवती सड़क पर मौजूद लोगों से बातचीत करती दिखाई देती है। वीडियो शेयर करने वाले कई सोशल मीडिया यूजर्स दावा कर रहे हैं कि युवती राहगीरों को रोककर उन्हें प्रपोज कर रही थी।वीडियो के साथ यह भी दावा किया जा रहा है कि एक युवक ने उसका प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया, जिसके बाद युवती ने कथित तौर पर उसे यह कहकर धमकाया कि यदि उसने बात नहीं मानी तो वह उस पर छेड़छाड़ का आरोप लगा देगी।

हालांकि वीडियो में दिखाई गई पूरी घटना का स्वतंत्र सत्यापन नहीं हुआ है और न ही यह स्पष्ट है कि वीडियो से पहले या बाद में क्या हुआ था। सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले कई वीडियो अधूरे, संपादित या संदर्भ से हटकर भी हो सकते हैं। ऐसे में केवल वीडियो के आधार पर किसी व्यक्ति के व्यवहार, मानसिक स्थिति या नशे में होने जैसे निष्कर्ष निकालना उचित नहीं माना जाता।वायरल पोस्ट में युवती के नशे में होने का दावा किया जा रहा है, लेकिन इसकी पुष्टि किसी चिकित्सकीय रिपोर्ट या आधिकारिक एजेंसी द्वारा नहीं की गई है। इसी प्रकार यह दावा भी स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं हुआ है कि उसने वास्तव में किसी व्यक्ति को झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी थी।वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रियाएं भी दो हिस्सों में बंटी हुई दिखाई दे रही हैं। एक वर्ग का कहना है कि यदि वीडियो में किए जा रहे दावे सही हैं तो किसी भी व्यक्ति को झूठे आरोप लगाने की धमकी देना गंभीर अपराध माना जाना चाहिए। ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि किसी निर्दोष व्यक्ति के साथ अन्याय न हो। दूसरी ओर कई लोगों ने यह भी कहा कि किसी वायरल वीडियो के आधार पर किसी व्यक्ति को दोषी मान लेना उचित नहीं है। उनका कहना है कि पूरी घटना की जांच और सभी पक्षों की बात सामने आने के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचना चाहिए। डिजिटल युग में सोशल मीडिया पर प्रतिदिन हजारों वीडियो वायरल होते हैं।

लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी वीडियो को अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता।वीडियो रिकॉर्डिंग का एक छोटा हिस्सा पूरी घटना नहीं दिखाता। कई बार वीडियो एडिट किए जाते हैं या केवल वही हिस्सा साझा किया जाता है जो लोगों का ध्यान आकर्षित करे। इसी वजह से पुलिस और जांच एजेंसियां किसी भी मामले में केवल वायरल वीडियो पर नहीं बल्कि अन्य साक्ष्यों, प्रत्यक्षदर्शियों और तकनीकी जांच पर भी भरोसा करती हैं।यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर किसी निर्दोष व्यक्ति पर झूठा आरोप लगाता है और शिकायत दर्ज कराता है, तो भारतीय कानून के तहत ऐसी स्थिति में भी कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। साथ ही यदि किसी व्यक्ति के साथ वास्तव में अपराध हुआ हो तो उसे न्याय दिलाना भी कानून की जिम्मेदारी है। इसलिए हर मामले में निष्पक्ष जांच बेहद आवश्यक होती है।

गोलों की सुनामी में इंग्लैंड विजेता, एमबाप्पे का वर्ल्ड रिकॉर्ड

इंग्लैंड ने फ्रांस को 6-4 से हराया, जीता ब्रॉन्ज मेडल

मियामी गार्डन्स

बुकायो साका के तीन गोल की बदौलत इंग्लैंड ने तीसरे स्थान के रोमांचक प्ले ऑफ मुकाबले में 6-4 से जीत दर्ज की जबकि किलियन एमबाप्पे ने दूसरे हाफ में दो गोल करके फुटबॉल विश्व कप में लियोनल मेस्सी के सर्वाधिक गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया और 'गोल्डन बूट' की दौड़ में सबसे आगे निकल गए। यह 1982 में हंगरी की अल सल्वाडोर पर 10-1 की जीत के बाद विश्व कप में सबसे अधिक गोल वाला मैच था। तीसरे स्थान के मैच में 10 गोल अब तक के सबसे अधिक गोल हैं। साका ने 37वें मिनट और पहले हाफ के इंजरी टाइम में गोल करने के बाद 87वें मिनट में पेनल्टी से अपना तीसरा गोल करके इंग्लैंड के लिए अपने करियर की दूसरी हैट्रिक पूरी की।

इंग्लैंड ने किया दूसरा सबसे अच्छा नतीजा हासिल

इंग्लैंड के लिए डेकलान राइस और एजरी कोन्सा ने भी पहले हाफ में गोल किए, जिससे मध्यांतर तक इंग्लैंड की टीम 4-0 से आगे हो गई। रोमांचक दूसरे हाफ में भी इंग्लैंड ने अपनी बढ़त बनाए रखी और विश्व कप में अपना दूसरा सबसे अच्छा नतीजा हासिल किया। इंग्लैंड ने अपना एकमात्र खिताब 1966 में जीता था। इंग्लैंड के लिए छठा गोल जूड बेलिंघम ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के आठवें मिनट में किया, जो टूर्नामेंट में उनका सातवां गोल था।

हाइड्रेशन ब्रेक से निराशा

फीफा ने दोनों हाफ के बीच में पानी के लिए ब्रेक लागू किए, जो इस विश्व कप के लिए एक नई चीज। स्टेडियम में मौजूद प्रशंसकों ने इसकी जोरदार हूटिंग की और पूर्व खिलाड़ियों ने भी इसकी आलोचना की। ये ब्रेक खिलाड़ियों को गर्मी से निपटने में मदद करने के लिए शुरू किए गए थे लेकिन फीफा ने नियम बनाया कि मौसम और चाहे जो भी हो, ये ब्रेक होंगे ही।

विश्व कप के महत्वपूर्ण पल

बड़े सितारों का जलवा

टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी को दिए जाने वाले 'गोल्डन बूट' की दौड़ में दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी शामिल थे, जिनमें लियोनल मेस्सी, किलियन एमबाप्पे, एर्लिंग हालैंड, हैरी केन और जूड बेलिंघम ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। एमबाप्पे 10 गोल के साथ गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे हैं। उन्होंने अपने करियर में विश्व कप में कुल 22 गोल का रिकॉर्ड भी बनाया। मेस्सी ने मौजूदा विश्व कप आठ गोल किए और एक मैच बाकी रहते हुए उनके विश्व कप में कुल 21 गोल हैं।

बड़ी प्रौद्योगिकी, बड़ी शिकायतें

वीडियो सहायक रिव्यू (वीएआर) कई विवादित फैसलों की वजह बना, जिसमें जर्मनी, क्रोएशिया और मिस्र के महत्वपूर्ण गोल रद्द कर दिए गए। राउंड ऑफ 16 में अर्जेंटीना के 0-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए 3-2 से जीतने पर मिस्र के कोच होसाम हसन ने इसकी तीखी आलोचना की। टूर्नामेंट में इस्तेमाल की जा रही सेंसर वाली बेहद आधुनिक गेंद की वजह से राउंड ऑफ 32 में पुर्तगाल के खिलाफ क्रोएशिया का आखिरी समय में बराबरी का गोल नहीं हो पाया क्योंकि गेंद ने इगोर मटानोविच का हल्का सा स्पर्श भी पकड़ लिया और जोस्को ग्वार्डियोल के गोल को ऑफसाइड करार दिया।

टिकट की बहुत अधिक कीमतें

टूर्नामेंट शुरू होने से पहले चिंता थी कि फीफा की 'डाइनामिक प्राइसिंग' (समय के साथ बदलती कीमतें) की वजह से आम प्रशंसकों के लिए मैच के टिकट खरीदना मुश्किल हो जाएगा। कुछ आलोचकों ने फीफा पर 'बहुत बड़ा धोखा' करने का आरोप लगाया। आम बिक्री में टिकट की कीमतें ग्रुप चरण के मुकाबलों के लिए 140 से 2,735 डॉलर और फाइनल के लिए 8,680 डॉलर थीं जो 2022 में कतर में हुए पिछले विश्व कप की कीमतों से कहीं अधिक थीं। फीफा ने पुनः बिक्री वाली टिकटों की कीमतों पर कोई नियंत्रण नहीं रखा लेकिन बिक्री से अपना हिस्सा लिया। इतनी आलोचना के बावजूद प्रशंसक बड़ी संख्या में स्टेडियम पहुंचे।

युद्ध के बावजूद ईरान ने हिस्सा लिया

विश्व कप में राजनीति और खेल का आपस में जुड़ना कोई नई बात नहीं है। इस बार सबसे अधिक राजनीतिक तनाव ईरान की राष्ट्रीय टीम को लेकर था। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध की वजह से संदेह पैदा हो गया था कि क्या ईरान की टीम विश्व कप में हिस्सा ले पाएगी या नहीं। टीम ने हिस्सा तो लिया लेकिन अपना आधार शिविर एरिजोना से मैक्सिको ले जाने के बाद। अमेरिका ने ईरान के दल के कई सदस्यों को वीजा देने से इनकार कर दिया था।

खबर संक्षेप

आज से हॉकी फाइव्स एशियाई चैंपियनशिप

नई दिल्ली। भारतीय सब जूनियर पुरुष और महिला टीम सोमवार को मस्कट में पहली एफआईएच युवा हॉकी फाइव्स एशियाई चैंपियनशिप में अपना अभियान शुरू करेंगी तो उनका लक्ष्य पहले एफआईएच अंडर-18 युवा हॉकी फाइव्स विश्व कप में जगह पक्की करना होगा। छह दिन तक चलने वाला यह टूर्नामेंट पहले एफआईएच अंडर-18 युवा हॉकी फाइव्स विश्व कप के लिए एशियाई क्वालीफायर के तौर पर काम करेगा। सरदार सिंह की कोचिंग वाली भारतीय सब जूनियर पुरुष टीम आत्मविश्वास के साथ टूर्नामेंट में उतर रही है। टीम ने फाइनल में मेजबान जापान को 4-1 से हराकर अंडर-18 एशिया कप का खिताब जीता था। इस टीम में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम के खिलाड़ी शामिल हैं और टीम को मेजबान ओमान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ एलीट पूल में रखा गया है।

भारतीय टीम में हरियाणा के 6 खिलाड़ियों का चयन हुआ

रोहतक

थाईलैंड के बैंकॉक में आयोजित होने वाली पहली एशियन आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप 2026 के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो चुका है। इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हरियाणा के सुल्तानों ने अपनी प्रतिभा के दम पर भारतीय दल में बड़े पैमाने पर जगह बनाई है। एसोसिएशन आर्म रेसलिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन द्वारा जारी आधिकारिक चयन पत्र के अनुसार प्रदेश के 6 प्रतिभावान खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। चयनित खिलाड़ियों में झज्जर से दीपांशु, रेवाड़ी से देवांशु, रोहतक के रिटौली गांव से दीक्षा और इसी गांव के हर्ष (सब-जूनियर वर्ग, 32 किलोग्राम भार वर्ग) शामिल हैं। इसके अलावा रेवाड़ी से लक्ष्य और गुरुग्राम से युग का चयन भी टीम इंडिया में हुआ है। यह सभी खिलाड़ी 24 से 26 जुलाई तक बैंकॉक में होने वाली चैंपियनशिप मैरिस में उतरेंगे। सभी 23 जुलाई को रवाना होंगे। भारतीय आर्म रेसलिंग एसोसिएशन के ज्वाइंट सेक्रेटरी और हरियाणा आर्म रेसलिंग एसोसिएशन के सेक्रेटरी राहुल सिंह ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। खिलाड़ियों के इस शानदार चयन पर भारतीय टीम के मुख्य कोच प्रेम गुलिया ने कहा यह हमारे देश और विशेषकर हरियाणा के लिए बेहद गर्व का क्षण है। इन सभी बच्चों ने पिछले कुछ महीनों में कड़ा अभ्यास किया है और इनकी तकनीकी क्षमता बेहद उच्च स्तर की है। दीक्षा ने बताया कि पिता कुलदीप पेशे से किसान हैं और मां गृहणी हैं। उन्होंने वर्ष 2024 में अपने छोटे भाई हर्ष से प्रेरित होकर खेल की दुनिया में कदम रखा था। अपनी कड़ी मेहनत और लगन के बदौलत दीक्षा ने वर्ष 2025 में जिला स्तरीय, राज्य स्तरीय और नेशनल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) अपने नाम किए। युग ने खेल के मैदान पर शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्ष 2025 में जिला स्तरीय, राज्य स्तरीय और नेशनल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इसके साथ ही उन्होंने वर्ष 2025 में आयोजित ज्ञान पब्लिक चैंपियनशिप में भी बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। दीपांशु ने बताया कि पिता रवि कुमार किसान हैं और मां सुनीता एक गृहिणी हैं। उन्होंने वर्ष 2024 में जिला, राज्य व राष्ट्रीय स्तर के साथ-साथ ओपन नेशनल व ज्ञान पब्लिक स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीतकर बड़ी कामयाबी हासिल की थी। दीपांशु का यह विजयी अभियान यहीं नहीं रुका, उन्होंने वर्ष 2025 में भी अपनी फॉर्म जारी रखते हुए जिला, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदकों पर कब्जा जमाया।

■ एशियन आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप

मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में भारत का डंका

संग्राम ने पाक फाइटर को 80 सेकंड में किया नॉकआउट, बने एशिया चैंपियन

रोहतक

भारतीय रेसलिंग लीजेंड और स्टार एमएमए (एमएमए) फाइटर संग्राम सिंह ने मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स की दुनिया में नया इतिहास रच दिया है। मलेशिया के कुआलालंपुर में आयोजित हाई-वोल्टेज मुकाबले में संग्राम सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान के मोहम्मद आबिद अली को धूल चटा दी। संग्राम सिंह ने इस बेहद रोमांचक मैच में पाकिस्तानी चैलेंजर को मात्र 1 मिनट 20 सेकंड (80 सेकंड) में जबरदस्त नॉकआउट देकर स्ट्राइक एशिया चैंपियनशिप का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम कर लिया है। संग्राम के कोच भूपेश कुमार ने संग्राम सिंह को बधाई दी। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

140 करोड़ देशवासियों को समर्पित की जीत

ऐतिहासिक खिताबी जीत दर्ज करने के बाद भावुक हुए संग्राम सिंह ने कहा, मैं जब भी रिंग या केज में उतरता हूं, तो सिर्फ अपने लिए नहीं बल्कि देश के 140 करोड़ भारतीयों के गौरव के लिए लड़ता हूं। भारत-पाकिस्तान का मुकाबला हमेशा भावनाओं से जुड़ा होता है। मैं यह ऐतिहासिक खिताब पूरे देश और देशवासियों को समर्पित करता हूं।

शुरुआत से ही बनाया दबदबा

भारत-पाकिस्तान के इस बड़े मुकाबले को लेकर खेल प्रेमियों में भारी उत्साह था, लेकिन संग्राम सिंह ने रिंग में उतरते ही मैच को एकतरफा कर दिया। उन्होंने पहले ही पल से अपने जबरदस्त पावर, सटीक वार और तकनीक के दम पर अखिर अली पर दबाव बना लिया। पाकिस्तानी फाइटर संग्राम के आक्रामक खेल के सामने टिक नहीं सका और मैच शुरू होने के महज 80 सेकंड के भीतर ही नॉकआउट हो गया।

रोहित के शानदार शतक के बावजूद हारा भारत

इंग्लैंड ने 27 रन से जीतकर सीरीज 2-1 से अपने नाम की

▶▶डकेट व बेथेल के बीच 192 की साझेदारी

▶▶बेन डकेट ने 135 गेंदों में 141 रन बनाए

● रोहित शर्मा ने 111 गेंदों पर 138 रन बनाए।

● विराट कोहली 60 बॉल पर 74 रन बनाकर आउट हुए।

● रोहित ने कोहली के साथ 113 रन की साझेदारी की।

एजेंसी ▶▶लंदन

रोहित शर्मा ने 138 रन की आक्रामक पारी खेल कर आलोचकों को करारा जवाब दिया लेकिन उनकी शानदार बल्लेबाजी के बावजूद लॉर्ड्स में रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए तीसरे और निर्णायक वनडे में भारत को 27 रन से हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड ने इसके साथ ही तीन मैचों की श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली। इंग्लैंड ने बेन डकेट के करियर के सर्वश्रेष्ठ 142 रन और जैकब बेथेल के 91 रन की मदद से पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 387 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने रोहित शर्मा के 138 रन, शुभमन गिल के 77 और विराट कोहली के 74 रन की बदौलत सात विकेट पर 360 रन बनाए। इंग्लैंड की जीत में पूर्व कप्तान जोस बटलर की आखिरी ओवरों में खेली गई 13 गेंदों में 41 रन की तूफानी पारी निर्णायक साबित हुई। उनकी इस पारी के दम पर इंग्लैंड ने अंतिम पांच ओवरों में 82 रन जुटाए। रोहित के लिए यह मुकाबला बेहद अहम था। चयनकर्ताओं और मुख्य कोच द्वारा भविष्य की योजनाओं में उनसे आगे बढ़ने की चर्चाओं के बीच 39 वर्षीय पूर्व कप्तान पर काफी दबाव था। वह लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर भारत को श्रृंखला जिताने और अपनी विरासत को बचाने की चुनौती के साथ उतरे थे। रोहित ने अपना 34वां वनडे शतक पूरा करने के बाद न तो बल्ला उठाकर जश्न मनाया और न ही लॉर्ड्स के 'मेंबर्स' बालकनी से मिली तालियों का अभिवादन किया। उनकी 110 गेंदों पर खेली गई 138 रन की पारी में संघर्ष, और जज्बा साफ दिखाई दिया। इंग्लैंड में उनका यह आखिरी वनडे मुकाबला था और आने वाले समय में लोग इसे एक अनुभवी खिलाड़ी के साहसिक संघर्ष के रूप में याद करेंगे।

बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज कुश्ती : निशु को कांस्य पदक मिला, बेटियों ने कुल आठ पदक कब्जाए

सोनीपत की काजल को गोल्ड, हिसार की अंतिम ने जीता रजत

रोहतक

बुडापेस्ट में आयोजित पोलयाक इमरे वर्गा जानोस और कोज़मा इस्तवान मेमोरियल कुश्ती रैंकिंग सीरीज टूर्नामेंट में सोनीपत की काजल ने महिलाओं के फ्रीस्टाइल 76 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि हिसार की अंतिम पंघाल को 53 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक से संतोष करना पड़ा। दिल्ली की नेहा शर्मा ने महिलाओं के 57 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता, जबकि जींद की निशु ने महिलाओं के 53 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया, जिससे भारत ने बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज के रविवार को चौथे दिन चार पदकों के साथ समापन किया। बेटियों ने इस प्रतियोगिता में दो गोल्ड, दो रजत और चार कांस्य समेत कुल आठ पदक जीते हैं। हरियाणा कुश्ती संघ के अध्यक्ष रमेश और कोच मनदीप ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। फरवरी में जाग्रेब ओपन में कांस्य पदक जीतने के बाद अपने पहले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करते हुए, भारत की एशियाई खेल 2026 कुश्ती टीम की सदस्य अंतिम पंघाल फाइनल से पहले शानदार फॉर्म में नजर आईं। 21 वर्षीय भारतीय पहलवान ने लगातार तीन 10-0 की तकनीकी श्रेष्ठता वाली जीत के साथ शुरुआत की, जिसमें उन्होंने जर्मनी की बियांका पाक, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की ली युकयुआन और अमेरिका की क्रिस्टेल रोड्रिगेज को हराया। इसके बाद अंतिम ने एक रोमांचक सेमीफाइनल में चीन के मौजूदा एशियाई चैंपियन झांग जिन को 7-5 से हराया। हालांकि, स्वीडन की एम्मा माल्मग्रेन के खिलाफ स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले चोट के कारण उन्हें मुकाबले से हटना पड़ा और उन्हें रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा। अंडर-20 विश्व चैंपियन काजल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला वर्ग के 76 किलोग्राम वर्ग का खिताब अपने नाम किया। स्वर्ण पदक के मुकाबले में भारतीय पहलवान ने अमेरिका की पूर्व पैन अमेरिकन चैंपियन डफ़ालाड विलापोंड को 3-3 के स्कोर से हराया। सेमीफाइनल में काजल ने चीन की शुझाव चेन को 3-0 से हराने के बाद रोमानिया की पूर्व यूरोपीय चैंपियन एलेक्जेंड्रा एंजेल को 9-0 से हराया।

नेहा को फाइनल में चीन की हांग केक्सिन ने हराया

नेहा शर्मा ने भी शानदार प्रदर्शन किया लेकिन फाइनल में चीन की ओलंपिक पदक विजेता हांग केक्सिन से हारने के बाद उन्हें महिला 57 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इससे पहले उन्होंने क्वालीफाइंग राउंड में कनाडा की मिया फ्रीमैन को मानदंडों के आधार पर 4-4 से हराया था, जिसके बाद उन्होंने क्वार्टर फाइनल में पैन अमेरिकन चैंपियन प्यूर्टो रिको की अमांडा मार्टिनेज को 6-1 से और सेमीफाइनल में ब्राजील की जूलिया पेनाल्वर को 4-0 से हराया था। निशु ने महिलाओं के 53 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता। बेल्जियम स्वाबिज्ने को 11-10 से हराने के बाद, वह राउंड ऑफ 16 में फाइनलिस्ट एम्मा माल्मग्रेन से हार गईं, लेकिन रेपेचेज के माध्यम से कांस्य पदक के मैच में आगे बढ़ीं, जहां उन्होंने कनाडा की मेडिसन पार्क्स को हराया। इसके बाद निशु ने रोमानिया की ओलंपियन एंड्रिया बीट्रिस एना को मानदंडों के आधार पर 2-2 से हराकर पदक जीता।

मेंढकी के बच्चे ने एक दिन आसमान में हवाई जहाज को उड़ते देखा। वह अपनी मां से हवाई जहाज में बैठने की जिद करने लगा। मेंढकी मां ने बहुत समझाया कि हवाई जहाज सिर्फ इंसानों के बैठने के लिए होता है, लेकिन बच्चे ने हवाई जहाज में बैठने की रट लगाए रखी। आखिर मेंढकी मां ने बच्चे की जिद पूरी की, बहुत ही मजेदार ढंग से।

मेंढकी के बच्चे ने की हवाई जहाज की सैर!

गुजराती कहानी

पुष्पा अंताणी

एक मेंढकी थी। उसका एक बच्चा था। मेंढकी और उसका बच्चा एक तालाब के किनारे रहते थे। बरसात के दिन आ गए थे, इसलिए मेंढकी को बहुत काम करने पड़ते थे। बच्चा अपनी मम्मी के इर्द-गिर्द खेला करता था। बच्चा बड़ा शैतान था। सारा दिन यहां-वहां नाचता-कूदता रहता था। वह जिद्दी भी बहुत था। कोई भी बात उसके मन में बैठ जाती तो वह उस बात को मनवा कर ही छोड़ता था।

एक दिन बच्चा तालाब किनारे खेल रहा था। तभी उसने अजीब-सी आवाज सुनी। आवाज आकाश से आ रही थी। बच्चे ने ऊपर आकाश की ओर देखा, एक हवाई जहाज उड़ रहा था।

बच्चे ने अपनी मम्मी से पूछा, 'मां... मां... वह ऊपर क्या उड़ रहा है?'

मेंढकी मम्मी ने बताया, 'वह तो हवाई जहाज है।'

बच्चा बोला, 'मां, मुझे हवाई जहाज में बैठना है।'

मेंढकी मम्मी बोली, 'तुम पागल हो गए हो क्या? हवाई जहाज में तो इंसान बैठते हैं, हम नहीं बैठ सकते।'

बच्चे ने जिद पकड़ ली, 'हम क्यों नहीं बैठ सकते? मुझे तो हवाई जहाज में बैठना ही है।' यह कहते हुए वह जोर-जोर से रोने लगा। मां ने उसे बहुत समझाया, पर वह तो रोते ही जा रहा था। कुछ भी करो, शांत ही नहीं हो रहा था। मेंढकी सोचने लगी कि अब वह क्या करे?

तभी एक बकरी वहां से गुजरी। मेंढकी ने बकरी से कहा, 'बकरी बहन... बकरी बहन... मेरे बच्चे को हवाई जहाज में बैठना है।'

उसकी बात सुनकर बकरी जोर से हंस पड़ी, बोली, 'तुम्हारे बच्चे में अक्ल नहीं है, वह हवाई जहाज में थोड़े ही बैठ सकता है।'

इतना कहकर बकरी वहां से चली गई।

बच्चा रोते ही जा रहा था। मेंढकी ने दूर से एक गाय को आते हुए देखा। वह कूदती हुई गाय के पास गई और बोली, 'गाय मौसी... गाय मौसी... मेरे बच्चे को हवाई जहाज में बैठना है।'

गाय को पहले तो बात समझ में ही नहीं आई। बाद में जब समझ में आया कि मेंढकी क्या कह रही है, तो वह 'भां... भां...' करते हुए जोरों से हंस पड़ी।

गाय बोली, 'तू पागल, तेरा बच्चा भी पागल। तेरा बच्चा हवाई जहाज में कैसे बैठ सकता है?'

इतना कहकर गाय भी वहां से चली गई।

एक घोड़ा घास खा रहा था। मेंढकी ने घोड़े को भी यही बात बताई। यह सुनकर घोड़ा मेंढकी पर गुस्सा हो गया। वह बोला, 'दुबारा ऐसी फिजूल की बात मेरे सामने मत करना। तेरा बच्चा हवाई जहाज में नहीं बैठ सकता।'

तालाब किनारे एक पेड़ पर बंदर रहता था। मेंढकी ने बंदर से भी विनती की, 'बंदर भैया, मेरा बच्चा सुबह से रोए जा रहा है। उसे हवाई जहाज में बैठना है। आप मेरी मदद करो ना।'

मेंढकी मम्मी की बात सुनकर बंदर हंसते-हंसते पागल हो गया। वह इतना हंसा कि जवाब भी नहीं दे पाया।

मेंढकी मम्मी हताश हो गई। सोचने लगी कि अब वह क्या करे? बच्चा किसी भी तरह मान नहीं रहा था। वह अधिक जोर से रोने लगा था। मेंढकी मम्मी को चिंता हुई कि बच्चा इतना रोएगा तो कहीं कुछ बुरा न हो जाए। वह भी रोने लगी।

तभी उसे 'गूंन... गूंन... गूंन' जैसी आवाज सुनाई दी। यह आवाज सुनकर बच्चा भी शांत हो गया। मेंढकी ने देखा तो एक भंवरा उड़ता हुआ आ रहा था। मेंढकी ने उसे रोका, 'भंवरा, भंवरा, मेरी बात सुन।'

भंवरा रुक गया, उसने पूछा, 'क्या बात है?'

'देख, मेरे बच्चे को हवाई जहाज में बैठना है। मैं उसे हवाई जहाज में कैसे बिठा सकती हूं? अगर तू मेरी मदद करे तो यह काम हो सकता है।' मेंढकी ने भंवरे से आग्रह किया।

भंवरा बोला, 'मैं तेरी क्या मदद कर सकता हूं?'

मेंढकी मम्मी ने कहा, 'भंवरे, तू ही उसका हवाई जहाज बन जा। अगर तू मेरे बच्चे को अपने ऊपर बिठा कर उड़ता हुआ थोड़ी दूर तक घुमा ले आएगा तो उसे लगेगा कि वह हवाई जहाज में बैठकर आया है।'

पहले तो भंवरे ने मेंढकी की बात हंसी में उड़ा दी, पर जब मेंढकी ने बहुत विनती की तब वह बोला, 'ठीक है, मैं तेरे बच्चे का हवाई जहाज बनकर घुमा लाऊंगा, पर उसके बदले में तुझे भी मेरा एक काम करना होगा।'

मेंढकी मम्मी बोली, 'तू जो बोलेगा वह सब मैं करूंगी।'

भंवरे ने कहा, 'सुन, अब बारिश के दिन आ गए हैं। इस मौसम में मैं पूरा दिन 'गूंन गूंन गूंन' की आवाज करता हुआ उड़ता रहता हूं, पर जब रात होती है तो मुझे बहुत डर लगता है। चारों ओर इतना सन्नाटा होता है कि मुझे डर लगता है। इसलिए जब बारिश हो, तब तू पूरी रात जाग कर आवाज करते रहना। तेरी आवाज सुनकर मुझे डर नहीं लगेगा। बोल, अगर मेरी यह बात तुझे मंजूर है तो मैं तेरे बच्चे का हवाई जहाज बनने के लिए तैयार हूं।'

मेंढकी मम्मी हंसते हुए बोली, 'बस, इतनी सी बात! तेरी शर्त मुझे मंजूर है।'

भंवरे ने कहा, 'तब तो मैं भी तेरे बच्चे का हवाई जहाज बनने के लिए तैयार हूं।'

मेंढकी मम्मी ने अपने बच्चे को भंवरे की पीठ पर बिठा दिया और भंवरा हवाई जहाज की तरह हवा में उड़ने लगा। कभी दाएं तो कभी बाएं, कभी ऊपर तो कभी नीचे। भंवरा हवाई जहाज की तरह 'गूंन गूंन गूंन' आवाज भी कर रहा था। मेंढकी के बच्चे को बहुत मजा आ रहा था। भंवरे ने बहुत सारे चक्कर लगाने के बाद बच्चे को नीचे उतारा।

'मां... मां... मुझे हवाई जहाज में बहुत मजा आया।' ऐसा कहते हुए वह अपनी मां से लिपट गया।

'भंवरा अंकल, थैंक्यू!' बच्चे ने भंवरे से कहा।

भंवरे ने मेंढकी से कहा, 'हमारी बात याद है ना? अब तू भी मेरा काम करने के लिए तैयार हो जा।'

उसी दिन बहुत बारिश हुई। रात में मेंढकी बारिश में पूरी रात 'ड्रांव-ड्रांव' बोलती रही। आगे भी वह रात में बारिश होने पर 'ड्रांव-ड्रांव' करती ताकि भंवरा डरे नहीं। दोनों बहुत अच्छे दोस्त हो गए। मेंढकी का बच्चा अक्सर भंवरे की पीठ पर बैठकर हवाई जहाज की सैर का मजा लेता। *

अनुवाद: सेतु अंताणी

कविता / अखिलेश श्रीवास्तव चमन

काले बादल

बन सैलानी,
ले कर पानी,
फिर आए हैं काले बादल।
रौब जमाते,
शोर मचाते
घिर आए हैं काले बादल।
हाथापाई,
चोर सिपाही
खेल कर रहे काले बादल।
हाथ मिला कर
गले लगा कर
मेल कर रहे काले बादल।
हवा ने डांटा,
मारा चांटा
लौटे रो कर काले बादल।
घर-आंगन को,
वन-उपवन को
गए भीगो कर काले बादल।

हंसगुल्ले

टिंकू (रिंकू से): तुम्हारे पेड़ की डाली से मेरा टिकट खराब हो गया है। मैं तुम्हारे घर आ रहा हूं।
रिंकू: अरे तब तुम मेरे घर नहीं, मेरे ताऊ जी के घर जाओ।
टिंकू: क्यों?
रिंकू: क्योंकि वो [illegible] के डॉक्टर हैं।
- संगीता, बिलासपुर

मोहन: क्या दुकान के भी पेट होते हैं?
सोहन: नहीं।
मोहन: फिर मम्मी क्यों कहती है कि मेरी दुकान दिन भर खाली रहती है?
- उमेश, जबलपुर

डॉक्टर: भिखारी, इस दवाई को दिन में चार बार खाना होगा।
भिखारी: फिर तो मैं यह दवा नहीं ले पाऊंगा।
डॉक्टर: वो क्यों?
भिखारी: मेरे घर में तो सिर्फ दो वक्त का खाना ही है।
- कविता, दुर्ग

जीके क्विज-214

1. भारत के 98वें शतरंज ग्रैंड मास्टर कौन बन गए हैं?
2. पृथ्वी अपने अक्ष पर कितने डिग्री झुकी हुई है?
3. किस देश की टीम ने महिला टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीता?
4. देश के वर्तमान सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री कौन हैं?
5. जल का रासायनिक सूत्र क्या है?
6. गौतम बुद्ध का जन्म कहां हुआ था?
7. मानव शरीर की सबसे बड़ी अस्थि (बोन) का नाम क्या है?
8. भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव क्या है?
9. हाल में ही किस युद्धपोत को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया?
10. 'सत्यमेव जयते' का आदर्श वाक्य किस उपनिषद से लिया गया है?

बच्चो, जीके क्विज-214 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-213 का उत्तर : 1. इंडोनेशिया, 2.आशुतोष दीक्षित, 3.हर्षवर्धन जोशी, 4.इंग्लैंड, 5.कलिंग युद्ध, 6.उपराष्ट्रपति, 7.हीमोग्लोबिन, 8.नाइट्रस ऑक्साइड, 9.करमचंद गांधी, 10.विटामिन-ए

जीके क्विज-213 का सही उत्तर देने वाले : दीक्षिता-बादली, सचिन-बिलासपुर, कोमल-गरियाबंद, तुषार-सारंगढ़ बिलाईगढ़, सूरज-रायगढ़, सपना-खैरागढ़, अजय-रायपुर, रोहन-बालोद, कवीर-हिसार, कुणाल-बलौदा बाजार, रिया-दुर्ग

एडवाइस

डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चो, स्कूल खुल चुके हैं। नए सेशन की शुरुआत हो चुकी है। धीरे-धीरे तुम्हारी पढ़ाई भी रफ्तार पकड़ने लगेगी। अपने आपसे प्रॉमिस करो कि इस वर्ष पढ़ाई के साथ ही तुम्हें अपने कम्युनिकेशन को भी सुधारना है। क्लासरूम हो या घर, अच्छे से कम्युनिकेट करना सीखो। इसे अपनी आदत बनाओ। छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देकर अपने कम्युनिकेशन को बेहतर बनाया जा सकता है। खुद को प्रभावी ढंग से एक्सप्रेस करने का अंदाज पढ़ाई, स्कूल के प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन और पर्सनल डेवलपमेंट तक हर क्षेत्र में काम आता है।

समझो प्रभावी कम्युनिकेशन: टीचर, रिलेटिव्स या तुम्हारे फ्रेंड्स के भैया-दीदी या दूसरे कुछ लोगों से बातचीत करना अच्छा लगता है ना! उनका बातचीत का अंदाज इतना इंप्रेसिव होता है कि तुम मन से उनकी बातें सुनते हो। उनकी कही बातों को अच्छे से समझ पाते हो। असल में किसी इंसान द्वारा अपने विचारों और जानकारियों को स्पष्टता और सही ढंग से समझा पाना ही प्रभावी कम्युनिकेशन का सबसे अहम पहलू है। अच्छे से कम्युनिकेट करना केवल बोलना नहीं होता। यह सही ढंग से बातचीत करने का सधा हुआ तरीका होता है।

प्रभावी कम्युनिकेशन के फायदे: अगर तुम अच्छे से संवाद करोगे, सही ढंग से अपनी बात रखोगे, तो यह स्कूल के कार्यक्रम में भागीदारी से लेकर सहज जीवन में भी तुम्हें काम आएगा। कम्युनिकेशन स्किल अच्छी होगी तो तुम मम्मी-पापा को अपनी उलझन, कुछ नया सीखने की योजना या अपने एक्सपेक्टेशंस भी अच्छे से बता पाओगे। ऐसे में पैरेंट्स के लिए भी तुम्हारे दिल की बात समझना आसान होगा। साथ ही तुम्हारे दिमाग की किसी उलझन को भी घर के बड़े बिना किसी गलतफहमी के सही ढंग से जान पाएंगे।

बच्चो, पढ़ाई में अच्छे होने के साथ तुम्हारा कम्युनिकेशन स्किल भी बेहतर होना चाहिए। सही ढंग से बोलना, किसी की बात को ध्यान से सुनना और प्रभावी हाव-भाव रखना, तुम्हें हर जगह कॉन्फिडेंस के साथ आगे बढ़ने में मदद करेगा। बच्चो, छोटी- छोटी बातें ध्यान में रखकर तुम अपना कम्युनिकेशन स्किल इंप्रेसिव बना सकते हो।

बनो अच्छे कम्युनिकेटर जीतो सबका दिल

कम्युनिकेशन में हाव-भाव की भूमिका: अच्छे कम्युनिकेशन के लिए जरूरी है कि अपने हाव-भाव को समझो। कई बार हमारे शब्द और बॉडी लैंग्वेज अलग-अलग होते हैं। इस स्थिति में कही गई बात सही तरीके और सही मीनिंग के साथ सामने वाले इंसान तक नहीं पहुंचती। कई बार कम्युनिकेशन की प्रक्रिया में 50 प्रतिशत से अधिक तो बॉडी लैंग्वेज की ही भूमिका होती है। बातचीत के दौरान अगर आइ-कॉन्टेक्ट, बॉडी पोश्चर और आवाज का टोन शब्दों से मेल नहीं खाता तो सुनने वाले को प्रभावित नहीं किया जा सकता। तुम्हारे ही हाव-भाव कंफ्यूजिंग होंगे तो सामने बैठे लोगों तक पहुंचते-पहुंचते शब्दों का अर्थ ही अलग हो जाएगा। सोचो, कोई व्यक्ति हैप्पी रहने की बात समझाते हुए सीरियस रहे तो कितना अजीब लगेगा ना। बच्चो, सही ढंग से और प्रभावी हाव-भाव के साथ बात करने वाले सबका दिल जीतते हैं।

माइंडफुल लिसनिंग है जरूरी: प्रभावी कम्युनिकेशन का मतलब अपनी बात कहना भर नहीं होता। जैसे अपने बड़ों से बात करते हुए ही नहीं, छोटे भाई-बहनों, फ्रेंड्स या क्लासमेट्स से बातचीत करते हुए भी सही रेस्पॉन्स देना जरूरी है। सामने वाले की बात को बीच में काटे बिना हाव-भाव से यह बताना आवश्यक है कि तुम उनकी बात समझ रहे हो। इसके लिए माइंडफुल लिसनिंग सबसे ज्यादा जरूरी है। साथ ही सामने वाले की बात सुनने के बाद थोड़ा सोचकर बोलने के लिए भी पहले उसे सही ढंग से सुना जाना जरूरी है। क्लास में टीचर्स के सवालों का जवाब देना हो या किसी कार्यक्रम में भागीदारी करना। हर समय पहले कही जा रही बात, प्रश्न या सलाह को ठीक से सुनने की आदत बनाओ। अच्छे से सुनना अपने कम्युनिकेशन को बेहतर बनाने का बेहद जरूरी पहलू है। इस पर हमें जरूर ध्यान देना चाहिए। *

ऐसे सुधारो अपने हाव-भाव

तुम खुद को बोलते हुए मिरर में देखकर और दूसरे लोगों को बोलते हुए ध्यान से देख-सुनकर सही हाव-भाव सीखने की कोशिश कर सकते हो। इसके लिए मम्मी-पापा से अपना वीडियो बनवाकर भी प्रैक्टिस कर सकते हो। इस मामले में बड़ों का फीडबैक बहुत हेल्प करता है। उनकी सलाह लेकर तुम भी अपनी कमियां सुधार सकते हो। बच्चो, किसी खास अवसर पर ही नहीं, आम जीवन में भी सही एक्सप्रेशन के साथ किया गया संवाद बहुत प्रभावी होता है।

तुम्हारे लिए नई किताब / सुरेंद्र विक्रम

जानो पिनकोड की कहानी

बच्चो, तुमने देखा होगा कि पत्र में जहां पर पता लिखा होता है, उसके अंत में छह अंकों की एक संख्या लिखी होती है, इसे पिनकोड कहते हैं- पोस्टल इंडेक्स नंबर। यह अलग-अलग छह अंकों का नंबर, डाक विभाग की पहचान से जुड़ा होता है। डॉ. विमला भंडारी लिखित किताब 'छह अंकों का जादू' (पिनकोड की कहानी) में पिन कोड के बारे में बहुत ही रोचक ढंग से एक कहानी के रूप में जानकारी दी गई है।

सुनीता के हाथ में एक कागज का टुकड़ा देखकर उसकी दोस्त वनिता पूछती है कि यह चिट्ठी बिना रास्ता पूछे घर कैसे पहुंच गई? यह जानने के लिए दोनों दोस्त डाकघर जाते हैं, जहां उन्हें पिनकोड के बारे में जानकारी मिलती है। घर पहुंचकर सुनीता अपने पिताजी से जब पिनकोड के बारे में पूछती है तो वह और विस्तार से बहुत सरल तरीके से बताते हैं कि पिनकोड का पहला, दूसरा, तीसरा और आखिरी के तीन अंकों की सहायता से कैसे अमुक व्यक्ति तक उसका पत्र पहुंच जाता है। इस तरह पत्र के पते में पिनकोड लिखा होने से चिट्ठियां गुम नहीं होतीं। अब तो ऑनलाइन ऑर्डर में भी पिनकोड लिखना जरूरी होता है। किताब में यह भी जानकारी दी गई है कि पिनकोड की खोज श्रीराम भिखु चक्रवर्ती ने की थी। पुस्तक में पिनकोड पर लिखी ये पंक्तियां भी मजेदार हैं- 'छह अंकों का पिन है प्यारो/रास्ता दिखलाए सही-सही।/डाक-संदेश पहुंचा दे द्वारे/चिट्ठी-पार्सल को गली-गली।' *

किताब : छह अंकों का जादू (पिनकोड की कहानी), **लेखिका:** डॉ. विमला भंडारी, **मूल्य:** 135 रुपए, **प्रकाशक:** द बिट्स, जयपुर (राजस्थान)

रंग भरो-206

रंग भरो-206 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंग कर हमें भेजा। उनमें से चुन कर सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। अच्छे रंग कर भेजने वाले बच्चों के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

अवनजोत, कोंडागांव

आयुष, उर्कुरा | ईशानी, बिलासपुर | दिव्या, बिलासपुर | प्रथम, कोरबा | यामिनी, गरियाबंद

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

कृष्ण-रायपुर, अमान-नागपुर, कविता-रायपुर, [illegible]-रोहतक, [illegible]-रायपुर, सौरभ-बिलासपुर, [illegible]-रायगढ़, खुशी-भिवानी, [illegible]-नागपुर, [illegible]-भिलाई, [illegible]-दिल्ली, राकेश-[illegible], अंकित-पुणे, रोहित-करनाल, विकास-बिलासपुर, रचना-कोरबा

रंग भरो 207

बच्चो, यहां दिए गए क्यूट से भालू के कार्टून चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक-बालभूमि, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

सभी प्रमुख बांधों, जलाशयों, रपटों एवं संवेदनशील स्थलों पर चेतावनी सूचना-पट्ट अनिवार्य रूप से लगाएं : मण्डलायुक्त

अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों के अन्त्येष्टि स्थलों का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करें

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। मण्डलायुक्त बिमल कुमार दुबे की अध्यक्षता में विकास कार्यो की समीक्षा बैठक आयुक्त सभागार में आयोजित की गयी। उन्होंने जहां जनसामान्य का अधिक आवागमन होने वाले सड़क सार्वजनिक रास्तों एवं सड़क किनारे गहरे गड्ढे होने पर वाहन गिरने की घटनाएं, जनहानि एवं बच्चों के डूबने की घटनाओं को रोकने के लिए ऐसे गड्ढे व होल बन्द करने के निर्देश दिए, जिससे जनहानि को होने से बचाया जा सके।

मण्डलायुक्त ने बांधों पर हुई घटनाओं को गम्भीरता से संज्ञान लेते हुए वर्षा ऋतु के दौरान बांधों, जलाशयों एवं अन्य गहरे जल स्रोतों में डूबने की बढ़ती घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मंडल के सभी प्रमुख बांधों, जलाशयों/रपटों एवं संवेदनशील स्थलों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम/माईक की व्यवस्था एवं चेतावनी सूचना-पट्ट अनिवार्य रूप से लगाए जाएं तथा खतरनाक रपटें वाले क्षेत्रों की बैरिकेडिंग कर आमजन की आवाजाही को नियंत्रित करने हेतु निर्देशित किया। सिंचाई विभाग, जल निगम, पंचायत, लोक निर्माण विभाग, लघु सिंचाई, पुलिस, राजस्व विभाग नियमित निगरानी करें और संवेदनशील स्थलों पर आवश्यकतानुसार सुरक्षा कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करें। मण्डलायुक्त ने निर्देश दिए कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। ग्राम पंचायतों, नगर निकायों, विद्यालयों तथा अन्य माध्यमों से लोगों को बांधों, नदियों एवं गहरे जलाशयों में स्नान, सेल्फी लेने अथवा अन्य जोखिमपूर्ण गतिविधियों से बचने के लिए जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसहयोग और प्रशासनिक सतर्कता के माध्यम से ही डूबने की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल स्थानीय प्रशासन, पुलिस अथवा संबंधित विभाग को सूचना देकर त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि ऐसे जलाशय व रपटें जो बारिश में डूब जाते हैं, ऐसे रपटों वाले क्षेत्रों की बैरिकेडिंग लगाकर आमजन की आवाजाही को रोकने हेतु ड्यूटी लगाई जाए जिससे होने वाली जनहानि को रोका जा सके। मण्डलायुक्त ने जनपद के समस्त अन्त्येष्टि स्थलों पर टीन शेड सहित आवश्यक व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु एवं जलस्तर बढ़ने की स्थिति को देखते हुए नदियों एवं जलाशयों के किनारे स्थित अन्त्येष्टि स्थलों पर विशेष सतर्कता बरती जाए, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अन्त्येष्टि स्थलों पर चेतावनी संकेतक बोर्ड, आवश्यक बैरिकेडिंग तथा पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मण्डलायुक्त ने टहरौली क्षेत्र में तिरपाल लगाकर अंतिम संस्कार करने वाली घटना पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए डीडी पंचायत को निर्देश दिए कि अन्त्येष्टि स्थलों, अस्पतालों एवं विद्यालयों के रास्तों को सुगम बनायें, जिससे आमजन व विद्यालय जाने वाले बच्चों को आने जाने में परेशानी न हो। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सम्बन्धित अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों के अन्त्येष्टि स्थलों का नियमित निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करें। मण्डलायुक्त ने कहा कि तहसील स्तर पर किसान सम्मान निधि के लम्बित आवेदनों का निस्तारण अभियान के साथ पूर्ण करायें। उन्होंने कहा कि श्रम विभाग के पोर्टल पर श्रमिकों का अधिक से अधिक पंजीयन कराएं जाएं, जिससे पात्र श्रमिकों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि जिन कार्यालयों में आमजन का आवागमन अधिक रहता है, वहां स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा प्रेरणा केंटीन व मिलेट केन्द्र खोले जाएं, जिससे स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को रोजगार और आमजन को सस्ते दर पोष्टिक खाना मिल सकेगा। मंडलायुक्त ने कृषि विभाग की समीक्षा निर्देश दिए कि वर्तमान में कृषकों को कृषि कार्य हेतु खाद आपूर्ति के दृष्टिगत विभागीय अधिकारी केन्द्रों पर खाद की उपलब्धता एवं वितरण की स्थिति का व्यापक रुप से प्रचार-प्रसार करायें, जिससे खाद-बीज के केन्द्रों पर अनावश्यक भीड़ एकत्र न हो सके। खाद बीज की उपलब्धता केन्द्रों पर किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता से निस्तारित करें। मण्डलायुक्त ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, छात्रवृत्ति प्रकरण, किसानों का आधार सीडिंग कार्य, गर्भवती महिलाओं व छोटे बच्चों को पोषाहार वितरण, बाल वाटिका, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, अभ्युदय योजना, किसान सम्मान निधि, स्वच्छ भारत मिशन, आंगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण, निराश्रित गौवंश आश्रय स्थल सहित निर्माणाधीन कार्यों में प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिये।

बैठक में संयुक्त विकास आयुक्त सुरेश चन्द्र केसरवानी, अपर नगर आयुक्त रौली गुप्ता, संयुक्त निदेशक शिक्षा आर के वर्मा, उप निदेशक अर्थ एवं संख्या एस0एन0 त्रिपाठी, अपर निदेशक पशुपालन ए0के0 सागर, उपायुक्त खाद्य विनय कुमार, उप निदेशक पंचायती राज अजय आनन्द सरोज, उप निदेशक महिला कल्याण श्रवण गुप्ता, उप निदेशक दिव्यांगजन सशक्तिकरण शिव सिंह, उप निदेशक समाज कल्याण इन्द्रा सिंह, अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग संजीव कुमार सहित अन्य सम्बन्धित मण्डलीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गौरी फाउंडेशन द्वारा बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में 'भारत को जानो प्रतियोगिता' का सफल आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। गौरी फाउंडेशन द्वारा एनसीसी विंग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के सहयोग से 'भारत को जानो प्रतियोगिता' का आयोजन सेमिनार हॉल, फॉरेंसिक विभाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय इतिहास, संस्कृति, संविधान एवं राष्ट्रीय चेतना के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. सुनील काबिया, डीन स्टूडेंट वेलफेयर, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि प्रो. विजय यादव रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं पौध भेंट देकर किया गया।प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कुल 25 प्रश्नों पर आधारित इस प्रतियोगिता में भारतीय इतिहास, भूगोल, संस्कृति, संविधान एवं समसामयिक विषयों से संबंधित प्रश्न पूछे गए। इस अवसर पर एनसीसी विंग गर्ल्स की प्रभारी डॉ. रश्मि सेंगर , गौरी फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री राहुल द्विवेदी एवं सचिव श्रीमती दीक्षा द्विवेदी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए युवाओं से भारत के इतिहास, संस्कृति एवं संवैधानिक मूल्यों को जानने और अपनाने का आह्वान किया। प्रथम स्थान बीएससी फॉरेंसिक साइंस की छात्रा भाव्या कात्यायन द्वितीय स्थान बीए ऑनर्स की रितु कुशवाह ,तृतीय स्थान पर बीए द्वितीय वर्ष की भावना ने प्राप्त किया कार्यक्रम का प्रभावशाली मंच संचालन झलक द्वारा किया गया। आयोजन को सफल बनाने में जाह्नवी, , शहजेब, चंद्र,अभिषेक, प्रखर ,आशुतोष, सुनील एवं अन्य स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में सभी अतिथियों, प्रतिभागियों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी ऐसे ज्ञानवर्धक एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया गया।

बीएसए की हठधर्मिता से चयन वेतनमान के लाभ से वंचित अध्यापक

-मांडलिक मंत्री ने एडी बेसिक को ज्ञापन सौंप रखी मांगें।

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। शिक्षकों की लम्बित मांगों पर कार्यवाही अमल में न आने पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के मांडलिक मंत्री राजेश लिटौरिया ने एडी बेसिक को ज्ञापन सौंपा है। ललितपुर जनपद में 100 अध्यापकों के त्रुटिपूर्ण चयन वेतनमान स्वीकृत करने और बीएसए के हठधर्मितापूर्ण रवैये की शिकायत की गई है। चयन वेतनमान के लाभ से बड़ी संख्या में वंचित रखने से शिक्षकों में खासा आक्रोश है। प्रत्येक माह ब्लॉक स्तर पर शिक्षक समाधान दिवस आयोजित करते हुए खण्ड शिक्षाधिकारी, वित्त एवं लेखाधिकारी एवं मान्यता प्राप्त शिक्षक संघ के प्रतिनिधि को इसमें सम्मिलित करने की मांग की। जालौन जनपद में प्रतिकूल प्रविष्टि, स्थाई एवं अस्थाई वेतन वृद्धि रोक मण्डल कार्यालय पर लम्बित होने की जानकारी देते हुए निराकरण की मांग की। वहीं कार्यालय स्तर पर पत्र प्राप्ति पर मोहर एवं पंजिका क्रमांक अंकन की मांग की। बताया कि अनियमितता की स्थिति में सम्बंधित लिपिक हस्ताक्षर से पल्ला झाड़ने का काम करते हैं। साथ ही गैर मान्यता प्राप्त संगठनों द्वारा अराजकता का माहौल बनाने का विरोध किया और मान्यता प्राप्त संगठन से ही पत्राचार करने की मांग रखी। विभागीय आदेश के बावजूद अभी तक ऑनलाइन सेवा पंजिका की प्रविष्टियां पूर्ण न होने पर भी नाराजगी जाहिर की। इसमें ब्लॉक के कर्मचारी की शिथिलता से अवगत कराया। वहीं नियमाविरुद्ध ऑफलाइन निरीक्षण पर भी आपत्ति दर्ज कराई। शिक्षकों के पक्ष को जाने बगैर कार्यवाही करने को भी अनुचित करार दिया। महानिदेशक के पत्र का भी हवाला दिया और अवकाश शेष होने पर वेतन न काटने की बात रखी। मंडलीय स्तर पर शिक्षकों की समस्या समाधान के लिए तिथि निर्धारण की मांग भी की। वरिष्ठता सूची तैयार कराने को जरूरी बताते हुए कहा कि शिक्षकों के चार्ज, स्थानान्तरण, समायोजन में विवाद की स्थिति को वरिष्ठता सूची के आधार पर ही दूर किया जा सकता है। जनपद झांसी में निपुण आकलन डीएलएड प्रशिक्षु द्वारा किया गया

जिसमें डेटा सिंक न होने के कारण 180 शिक्षको की अस्थाई वेतन वृद्धि बंद कर दी थी जिसको बहाल करने की मांग की।शिक्षक संघ ने ज्ञापन के माध्यम से आवश्यक कार्यवाही किए जाने की मांग की।इस अवसर पर मांडलिक संगठन मंत्री राजेश लिटौरिया,जिलाध्यक्ष झांसी जितेंद्र दीक्षित,जिला मंत्री ललितपुर अरुण गोस्वामी,जिला मंत्री झांसी मृत्यंजय सिंह,जिला कोषाध्यक्ष ललितपुर संतोष रजक ,भारत भूषण राय,शिव कुमार पाराशर,देवेश शर्मा,उमाशंकर शर्मा,रवि पटेल,मोनल पटेल,हरपाल सिंह यादव जालौन प्रतिनिधि,प्रवीण यादव सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को दिया 'बूथ जीतो, चुनाव जीतों' का मूलमंत्र

- बूथ सम्मेलन का स्थान निश्चित,22 तारीख को झांसी विधानसभा पंडित दीनदयाल सभागार एवं बबीना विधानसभा का खेलार ऊषा मैरिज गार्डन ।

- पूरे प्रदेश में एक साथ आयोजित होगा बूथ सम्मेलन

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। भारतीय जनता पार्टी झांसी विधानसभा का बूथ सम्मेलन 22 तारीख को बबीना विधानसभा का सम्मेलन ऊषा मैरिज गार्डन खेलार ,झांसी विधानसभा पंडित दीनदयाल सभागार में आयोजित होने जा रहा है। बूथ सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने और प्रत्येक बूथ से शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए भाजपा ने अपनी ताकत झोंक दी है। भाजपा जिला कार्यालय पर दोपहर 1 बजे जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण और वृहद तैयारी बैठक संपन्न हुई।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह ने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की असली ताकत हमारे बूथ स्तर के कार्यकर्ता हैं। हमें मंडल स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत करना है तथा सरकार की पूर्व जनकल्याणकारी योजनाओं को बूथ स्तर तक पूरी मजबूती के साथ सुदृढ़ करना है।

शत-प्रतिशत सहभागिता की रणनीति

जिलाध्यक्ष ने सभी मंडल अध्यक्षों, सेक्टर प्रवासियों, सेक्टर प्रभारियों और सेक्टर संयोजकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बूथ अध्यक्ष, बीएलए-2 और बूथ पालकों को एकत्रित कर कार्यक्रम स्थल तक लाने की व्यवस्था सौंपी। साथ ही पूर्व निर्धारित संगठनात्मक रचना को व्यवस्थित रूप से धरातल पर लागू करने का मूलमंत्र दिया। तैयारी बैठक के दौरान मंच पर जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह के साथ ,जिला उपाध्यक्ष रानू देवलिया,जिला मंत्री मीनू राजावत मंचासीन रहे। झांसी विधानसभा का कार्यक्रम पंडित दीन दयाल सभागार मै 3 बजे से आयोजित होगा , बबीना विधानसभा का कार्यक्रम ऊषा मैरिज गार्डन खेलार मै सुबह 11 बज से आयोजित होगा ।कार्यक्रम का सुचारू समापन राष्ट्रगान 'जन गण मन' के साथ हुआ इस महत्वपूर्ण बैठक में संगठन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से:जिला उपाध्यक्ष मनु सिंह,अभिषेक जैन ,कपिल बिरसेनिया , ममता साहू ,विनीत खटीक,संजीव अग्रवाल, अंकित राजा यादव, प्रियांशु डे,ऋषि सैनी ,दिलीप पुरी ,अनिरुद्ध दुबे, मोहित पोरवाल ,शैलेंद्र परमार , मंगल श्रीवास्तव, विजय शिवहरे मोनू ,नूपुर पाठक , वैष्णवी ठाकुर,श्वेता नामदेव, प्रतिमा कुलकर्णी,हेमंत पांचाल ,कमलेश परिहार आदि उपस्थित रहे।

बुंदेलखंड के विकास के लिए अलग राज्य जरूरी: सत्येंद्र पाल सिंह

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। बुंदेलखंड क्रांति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर सत्येंद्र पाल सिंह ने बुंदेलखंड को अलग राज्य का दर्जा देने की मांग दोहराते हुए इसे क्षेत्र के विकास, सामाजिक न्याय और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ा मुद्दा बताया। उन्होंने कहा कि दशकों से जल संकट, बेरोजगारी, कृषि संकट और आधारभूत सुविधाओं की कमी से जूझ रहे बुंदेलखंड के लिए अलग राज्य समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अलग राज्य बनने से स्थानीय समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान संभव होगा। सिंचाई, जल संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार से जुड़ी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन हो सकेगा। उन्होंने किसानों के लिए जल और आय सुरक्षा, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर तथा खनिज संसाधनों का स्थानीय हित में उपयोग सुनिश्चित करने की आवश्यकता बताई। कुंवर सत्येंद्र पाल सिंह ने कहा कि बुंदेलखंड राज्य की मांग राजनीतिक नहीं, बल्कि विकास और जनहित का विषय है।

12 साल की लड़की फांसी पर लटकी

7 बहनों में सबसे छोटी, कहती थी- बहनों संग हिमाचल में रहना है

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। जनपद में 12 साल की एक लड़की ने फांसी लगाकर जान दे दी। वह 7 बहनों में सबसे छोटी थी और अपनी दादी के साथ रहती थी। दादी नीचे काम कर रही थी, तभी लड़की ऊपर वाले कमरे में चली गई और पंखे पर तौलिए से फंदा बनाकर झूल गई।

पुलिस के अनुसार, 7 बहनों में से 3 की शादी हो चुकी है, जबकि 3 अपने चाचा-चाची के साथ हिमाचल प्रदेश में रहती हैं। मां की पहले ही मौत हो चुकी, पिता भी घर पर नहीं रहते। लड़की भी बहनों के साथ हिमाचल में रहने की जिद करती थी। जिद पूरी नहीं होने पर जान दे दी। सोमवार दोपहर 12 बजे पुलिस ने पंचनामा भरा और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जांच की जा रही है। पूरा मामला बरुआसागर के उजयान गांव का है। बरुआसागर के उजयान गांव निवासी राघवेंद्र रायकवार ने बताया- मेरे बड़े भाई गोविंद रायकवार ट्रक चलाते हैं। उनकी 7 बेटियां हैं। इसमें से 3 की शादी हो चुकी है, जबकि 3 बहनें अपने चाची-चाची के साथ हिमाचल प्रदेश में रहती हैं। सबसे छोटी ममता (12) थी। ममता जब 5 महीने की थी, तब सड़क हादसे में उसकी मां कमला की मौत हो गई थी। उसे दादी पुष्पा देवी ने पाला और अब वो उन्हीं के साथ रहती थी। वह गांव के सरकारी स्कूल में 7वीं कक्षा में पढ़ रही थी।चाचा राघवेंद्र ने आगे बताया- रविवार को स्कूल की छुट्?टी थी। इसलिए ममता स्कूल नहीं गई थी और दादी के साथ घर पर थी। दादी घर का काम कर रही थी, तभी वह ऊपर वाले कमरे में चली गई। काफी देर तक नीचे नहीं आई तो दोपहर को दादी देखने के लिए कमरे में पहुंची। जैसे ही दरवाजा खोलकर कमरे में पहुंची तो पंखे पर तौलिए के सहारे ममता का शव लटका हुआ था। दादी ने तुरंत फंदे से ममता को नीचे उतारा। मगर तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। रोने चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के लोग आ गए और पुलिस को सूचना दी।बरुआसागर थाना प्रभारी प्रकाश सिंह का कहना है कि ममता की बहनों हिमाचल प्रदेश में रहती है। ममता अक्सर कहती थी कि बहनों के साथ रहना है। वहीं एडमिशन करा दो। इस वजह से वह परेशान रहती थी। उसके पास फोन भी नहीं था। आज पंचनामा भरकर शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है।

कॉलेज प्राचार्य बोले, आरोप निराधार

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। बुंदेलखंड डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एस.के. राय ने छात्र के आरोपों को निराधार बताया। उनका कहना है कि हमारी किसी शिक्षक ने मारपीट नहीं की। प्रवेश प्रक्रिया नियमानुसार चल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्र ने सेवानिवृत्त प्रोफेसर डी.के. गुप्ता व प्रो. एल.सी. साहू से भी अभद्रता की, इसलिए उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई होनी चाहिए।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718